RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●28 फरवरी , 2024 वर्ष:-11 अंक - 301 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

छतरी निकाल लीजिए, मौसम फिर हुआ बेईमान

3 मार्च तक होने वाली है बारिश, ओले गिरने की भी आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम का मिजाज इन दिनों तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत के अलग-अलग इलाकों में जमकर बारिश शुरू हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 29 तारीख से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने वाला है। इसका असर उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 1 मार्च से 3 मार्च के बीच देखने को मिलेगा। इस दौरान अलग-अलग हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। विभाग का कहना है कि हल्की से लेकर मध्यम वर्षा हो सकती है। साथ ही पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में ओले भी पड़ सकते हैं।

भोपाल में बारिश का 5 साल का रिकॉर्ड टूटा

तेज आंधी के साथ ओले भी गिरे; लैंड नहीं हो पाया सिंधिया का प्लेन

भोपाल। भोपाल में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे के बाद अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। लालघाटी, कोलार इलाके में छोटे आकार के ओले भी गिरे हैं। कई इलाकों में बिजली गुल हो गई, टीन शेड उखड़ गए। बीजेपी ऑफिस के बाहर लगे फ्लैक्स-बैनर भी उड़ गए। कई इलाकों में पेड़ भी गिरे हैं। इस कारण पीएचक्यू ऑफिस के पास और अयोध्या बायपास समेत कई जगहों पर गाड़ियां रेंगती हुई गुजरी। इससे पहले साल 2018 में फरवरी महीने में आखिरी बार बारिश हुई थी। मंगलवार को बारिश होते ही 5 साल का रिकॉर्ड भी टूट गया है।

चुनाव से पहले ही विपक्ष ने खुद मान ली है हार

● केरल में पीएम मोदी ने कहा-उनके पास देश के विकास का रोडमैप नहीं, इसलिए मुझे गाली देना ही उनका एजेंडा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को केरल दौरे पर रहे। पहले वे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर पहुंचे, जहां उन्हें गगनयान मिशन के चार एस्ट्रोनॉट्स के नाम का ऐलान किया। इसके बाद उन्होंने एक जनसभा में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। विपक्ष के पास देश के विकास का कोई रोडमैप नहीं है, इसलिए उन्होंने सिर्फ एक एजेंडा बना रखा है- मोदी को गाली देना। मैं जानता हूं केरल के लोग ऐसे नकारात्मक विचार रखने वाले लोगों का साथ नहीं देंगे।

● भाजपा राज्यों को वोट के चश्मे से नहीं देखती- पीएम ने कहा कि भाजपा ने कभी केरल या देश के किसी राज्य को वोट के चश्मे से नहीं देखा। जब भाजपा यहां कमजोर थी तब भी हमने केरल को मजबूत बनाने के लिए काम किया। गल्फ के देशों में रहने वाले साथियों ने अभी हाल में अनुभव किया है कि पहले के भारत और आज के भारत में कितना फर्क है।

● केरल इस बार हमें डबल डिजिट में सीट देने वाला है- पीएम ने कहा कि 2019 में देश नारा दे रहा था- फिर एक बार मोदी सरकार, 2024 में हर कोई कह रहा है- अबकी बार 400 पार। केरल के लोगों में एक नया उत्साह है। 2019 में केरल के लोगों के दिलों में उभरी 'उम्मीद' अब 2024 में उनका 'विश्वास' बन गई है। बीजेपी को काफी वोट मिलेंगे।

पीएम ने गगनयान मिशन पर भेजे जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स के नामों का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर पहुंचे थे। उनके साथ इसरो चीफ एस सोमनाथ भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने यहां लगभग 1800 करोड़ रुपए के तीन स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और देश के पहले मैन्ड स्पेस मिशन गगनयान का रिव्यू किया। प्रधानमंत्री ने गगनयान मिशन पर भेजे जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स के नामों का ऐलान किया और उन्हें एस्ट्रोनॉट विंग्स दिए। जिन एस्ट्रोनॉट्स को गगनयान मिशन पर भेजा जाएगा, उनमें- ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। चारों की ट्रेनिंग रूस में हुई है।

हमारे आदेश के बाद भी ऐसा विज्ञापन क्यों निकाला

● बाबा रामदेव की पतंजलि पर जमकर भड़के मीलॉर्ड, थमाया नोटिस

● कोर्ट ने कहा-पूरे देश को धोखा दिया जा रहा और सरकार आंख मूंद कर बैठी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रभारी आचार्य बालकृष्ण को अवमानना नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि आपमें (पतंजलि) कोर्ट के आदेश के बाद भी यह विज्ञापन लाने का साहस रहा। अब हम सख्त आदेश पारित करने जा रहे हैं। हमें ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि आप कोर्ट को उकसा रहे हैं। कोर्ट ने सरकार के खिलाफ भी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा- पूरे देश को धोखा दिया जा रहा है और सरकार आंख मूंद कर बैठी है। कोर्ट में पेश हुए सीनियर एडवोकेट पीएस पटवालिया ने कहा कि पतंजलि ने योग की मदद से मधुमेह और अस्थमा को पूरी तरह से ठीक करने का दावा किया था। कोर्ट ने अगली सुनवाई 15 मार्च को तय की है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 2022 में पतंजलि के खिलाफ ये याचिका दायर की थी। उसकी शिकायत के अनुसार बाबा रामदेव सोशल मीडिया पर एलोपेथी के खिलाफ गलत जानकारी फैला रहे हैं।

इनेलो नेता नफे सिंह मर्डर

ब्रिटेन में बैठे गैंगस्टर पर शक

दिल्ली में भाजपा लीडर की हत्या में भी शामिल था, जेलों में छानबीन करेगी पुलिस

बहादुरगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी की हत्या के पीछे विदेश में छुपे गैंगस्टर पर शक जताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ब्रिटेन में छुपे इस गैंगस्टर ने पहले भी राजनीतिक लोगों की हत्या की है। जिसमें कुछ समय पहले दिल्ली में एक भाजपा नेता की हत्या भी शामिल है। जिसमें इसी गैंगस्टर की भूमिका का पता चला था। हरियाणा पुलिस ने दिल्ली और राज्य की जेलों में बंद इस गैंग के शूटर्स से पूछताछ करने की तैयारी कर ली है। इनकी लिस्ट बनाकर सभी जेलों में जांच की जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक सीसीटीवी फुटेज मिली थी, जिसमें इसी गैंगस्टर के गुर्गे नजर आए थे। वहीं नफे सिंह राठी के परिवार को पुलिस ने सिक्योरिटी दे दी है। उनके बेटे जितेंद्र राठी ने इसकी पुष्टि की। इससे पहले पुलिस पर आरोप लगे थे कि खतरा होने के बावजूद नफे सिंह को सिक्योरिटी नहीं दी गई। नफे सिंह राठी के मर्डर की एफआईआर में वीरेंद्र राठी, संदीप, राजपाल शर्मा के नाम भी जोड़े गए हैं। इससे पहले 7 लोग नामजद किए गए। इनमें नरेश कौशिक, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी, वर्तमान चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी, कर्मबीर का बेटा कमल राठी शामिल है।

गाजा में जो चल रहा वो चिंताजनक लेकिन...

यूएन में इजरायल-हमास युद्ध पर खुलकर बोले जयशंकर

जिनेवा (एजेंसी)। गाजा में इजरायल औ हमास आतंकियों के बीच चल रहा कत्लेआम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ इजरायल हमास का हर कण मिटाने की कसम खा चुका है तो दूसरी तरफ हमास ने अपने कई कमांडरों के मारे जाने के बाद भी घुटने नहीं टेके हैं। इस युद्ध में 28 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिसमें ज्यादातर निर्दोष महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा में चल रहे नरसंहार से पूरी दुनिया दुखी है और यह चिंताजनक है।

भोपाल, इंदौर सहित 6 शहरों में चलेंगी 552 ई-बस

● कैबिनेट की मुहर, एमपी के टूरिस्ट प्लेस पर शुरू होंगी हवाई सेवाएं

● पीएम ई-बस योजनांतर्गत 6 नगरीय निकायों के लिए मिलेगी यह बस

● सिंचाई परियोजनाओं के लिए 10,373 करोड़ से अधिक की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मन्दसौर, राजगढ़, सीधी, सिवनी और बालाघाट, जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 1,20,000 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस परियोजना की स्वीकृति के क्रम में प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा के लिये निर्धारित

10,373 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद ने मंदसौर जिले में 60 करोड़ 3 लाख रुपये लागत की ताखाजी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 3550.53 हेक्टेयर) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

इसी प्रकार राजगढ़ जिले की मोहनपुरा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 4666 करोड़ 66 लाख रुपये, (सैंच्य क्षेत्र 1,51,495 हेक्टेयर) की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद द्वारा सीधी जिले में 4167 करोड़ 93 लाख रुपये लागत की सीतापुर सूचकांक के बंधन से छूट दी गई। परियोजना से रीवा, मऊगंज, सीधी, एवं सिंगरौली जिले के 663 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। मंत्रि-परिषद ने सिवनी एवं बालाघाट जिले की संजय सरोवर परियोजना (अपर वैनगंगा) के नहरों की विस्तारीकरण, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के कार्य के लिये 332 करोड़ 54 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी। ईआरएम के कार्य पूरा होने पर 11 हजार 450 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

बाबूलाल गौर के नाम होगा कोकता का 100 बिस्तरीय चिकित्सालय

● उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने की घोषणा, 1 माह के अंदर मैनपॉवर और आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था के दिए निर्देश

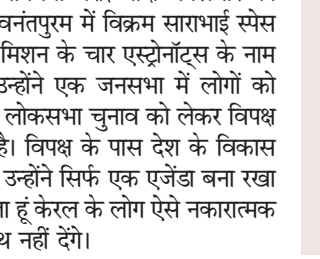

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कोकता गोविन्दपुरा में 100 बिस्तरीय चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि चिकित्सालय के विधिवत संचालन के लिए 1 माह के अंदर चिकित्सकीय और सहायक मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि इस चिकित्सालय के विधिवत संचालन से आस पास के क्षेत्र के नागरिकों को हमीदिया और जेपी चिकित्सालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभावना के अनुरूप चिकित्सालय का नाम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर जी के नाम पर होगा। उप मुख्यमंत्री ने आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के निर्देश दिये।

भाजपा ने यूपी से हिमाचल तक किया 'खेला'

राज्यसभा चुनावः कर्नाटक में अपने ही विधायक ने कर दिया नाटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से लेकर हिमाचल प्रदेश तक भाजपा ने दिलचस्पी बढ़ा दी है। यूपी में 10 राज्यसभा सीटों पर निर्विरोध चुनाव की स्थिति थी, लेकिन यहां संजय सेठ के तौर पर 11वां कैंडीडेट उतारकर भाजपा ने सपा का खेल बिगाड़ने के संकेत दे दिया। फिर मंगलवार को जब वोटिंग शुरू हुई तो खेल भी होने लगा। सपा के 5 विधायकों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और वोट भी भाजपा के पक्ष में डाला।

ऊंचाहार से तीन बार के विधायक और सपा के वरिष्ठ नेता मनोज पांडेय ने तो पार्टी ही छोड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने वोटिंग से पहले ही चीफ व्हिप के पद से इस्तीफा दे दिया। खबर है कि अब तक कुल 8 विधायकों ने भाजपा के पक्ष में वोट डाला है। चर्चा है कि

कई विधायक भाजपा में ही जा सकते हैं। यही नहीं भाजपा ने हिमाचल तक में खेल किया है, जहां उसके 25 विधायक ही थे, जबकि कांग्रेस के पास 40 हैं। यहां कुल 9 विधायकों ने भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि दो राज्यों में खेला करने वाली भाजपा के साथ कर्नाटक में नाटक हो गया है। यहां उसके विधायक एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस कैंडीडेट के पक्ष में मतदान किया।

भोपाल लोकसभा से रायशुमारी में वीडी शर्मा का नाम आया

बीजेपी प्रदेश चुनाव समिति की बैठक, दिल्ली में आज होगी मीटिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश की 23 लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों का पैनल फाइनल हो गया है। भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंगलवार शाम 6 बजे से प्रदेश चुनाव समिति की बैठक शुरू हुई, जिसमें लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित चुनाव समिति के सदस्य मौजूद रहे। एमपी बीजेपी को केंद्रीय नेतृत्व की ओर से प्रदेश की 23 लोकसभा सीटों पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से रायशुमारी कर संभावित दावेदारों के नाम खोजने के निर्देश मिले थे। इसके बाद रविवार देर रात वर्चुअल मीटिंग हुई और मप्र के एक मंत्री के साथ बीजेपी के एक प्रदेश पदाधिकारी को एक-एक लोकसभा क्षेत्र में जाकर रायशुमारी करने को कहा गया। मंगलवार सुबह से प्रदेश भाजपा कार्यालय में भोपाल लोकसभा सीट को लेकर रायशुमारी हुई। इस रायशुमारी में खजुराहो सांसद और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का नाम भोपाल से आया है। वीडी शर्मा के अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, शैलेन्द्र शर्मा, आलोक संजर, मौजूदा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौड़ के नाम भी कार्यकर्ताओं ने रायशुमारी में दिए हैं। अधिकांश सीटों पर रायशुमारी हो चुकी है। भोपाल लोकसभा सीट को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में रायशुमारी हुई। सुबह 10 बजे एमपी के विधायकों और सांसदों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। 11 बजे लाभार्थी अभियान को चर्चा हुई।

पुष्पवर्षा कर और फूल माला पहनाकर शहरवासियों ने किया मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मीय स्वागत

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सीहोर में रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव की जन आभार यात्रा के दौरान नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर तथा फूल माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। नगरवासियों में मुख्यमंत्री की जन आभार यात्रा में भारी उत्साह था। बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बच्चे वृद्धजन शामिल हुए और सभी मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनन्दन करने के लिए आतुर दिखे। मुख्यमंत्री डॉ यादव की जन आभार यात्रा कोतवाली चौराहा से प्रारंभ होकर पान चौराहा, लीसा टाकीज चौराहा, होते हुए तहसील चौराहा पर समाप्त हुई। इस दौरान नगर की अनेक सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक, धार्मिक संस्थाओं तथा व्यापारिक संस्थाओं के साथ ही सभी वर्गों के नागरिकों, बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री यादव ने भी पुष्प वर्षा कर नागरिकों का अभिनंदन किया और इस आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। जन आभार यात्रा के दौरान सीहोर के नागरिक अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर भाव-विभोर हो उठे। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने घरों की छत और बाल्कनी से पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री डॉ यादव का अभिनंदन किया। जन आभार यात्रा के दौरान लगभग डेढ़ किलोमीटर लम्बे मार्ग पर जगह-जगह बनाए गए मंचों से नागरिको ने फूल-माला पहनाकर मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया। जन आभार यात्रा में सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रवि मालवीय भी शामिल थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अनेक विभागों की का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कार्यक्रम स्थल पर अनेक विभागों द्वारा लगाई गई विभागीय योजनाओं, उपलब्धियों तथा गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अनेक हितग्राही मूलक योजनाओं से प्रदेश की जनता को लाभान्वित करने के लिए हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को धन्यवाद दिया। अनेक हितग्राहियों ने अपने हाथों में धन्यवाद भैयाजी, धन्यवाद मुख्यमंत्री जी लिखी तख्ती लेकर मुख्यमंत्री डॉ यादव को आभार व्यक्त किया।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी प्रति सप्ताह अपनी निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को सभी स्वास्थ्य संस्थाओं की सेफ्टी ऑडिट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव नागू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

तीन सालों से एक स्थान पर पदस्थापना वाले अधिकारी उसी लोकसभा क्षेत्र में नहीं रहे तैनात भारत निर्वाचन आयोग ने दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकारों द्वारा एक ही संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के भीतर निकटवर्ती जिलों में अधिकारियों के स्थानांतरण के मामलों को गंभीरता से लिया है। आयोग ने स्थानांतरित अधिकारियों को निष्पक्ष चुनाव को उसी लोकसभा क्षेत्र के किसी भी जिले में तैनात नहीं करने संबंधी निर्देश जारी किये हैं। मौजूदा त्रुटियों को दूर करते हुए आयोग ने निर्देश दिया है कि दो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों वाले राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को छोड़कर सभी राज्य सुनिश्चित करें कि जिन अधिकारियों को जिले से बाहर स्थानांतरित किया गया है, उन्हें उसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पदस्थापना नहीं की जाए। आयोग की स्थानांतरण नीति का अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए। वास्तविकता को छिपाया नहीं जाये। यह नियम उन तबादलों और पोस्टिंग पर पहले की तरह लागू होता है जिन्हें आयोग के पूर्व निर्देशों के अनुसार पहले ही लागू किया जा चुका है। ईसीआई नीति के अनुसार, उन सभी अधिकारियों को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है जो या तो अपने गृह जिले में तैनात थे या एक स्थान पर तीन साल पूरे कर चुके हैं। इसमें वे अधिकारी भी शामिल हैं जो चुनाव कार्य में सीधे या पर्यवेक्षक की है भूमिका में जुड़े हैं। चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार से ख़लल डालने वाले के ख़िलाफ़, आयोग ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। ग़ौरतलब है कि इसी के तहत, हाल ही में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में, आयोग ने विभिन्न अधिकारियों, यहाँ तक कि उन राज्यों के वरिष्ठ स्तर के पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

मिलावट खोरी से रहें सावधान

विदिशा (निप्र)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक डॉ सुदाम खाड़े ने बताया कि मिलावट पर रोकथाम के लिए प्रदेश व्यापी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में जिला स्तर पर खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति, नापतौल, पुलिस, राजस्व, दुग्ध संघ आदि विभागों की संयुक्त टीम बनाकर नियमित निरीक्षण एवं कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। अभियान में संवेदनशील क्षेत्र का चिन्हांकन कर नियमित जांच और सर्विलेंस प्लान तैयार कर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। आयुक्त डॉ खाड़े ने आमजन से मिलावट के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मिलावट की शिकायत टोल फ्री नंबर 1800112100 एवं सी.एम. हेल्पलाइन नंबर 181 पर कर सकते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर की जायेगी कठोर कार्यवाही आयुक्त डॉ खाड़े ने बताया कि चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, मैजिक बॉक्स के माध्यम से स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने संबंधी प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रत्येक विद्यालय में खाद्य सुरक्षा जागरूकता के लिए विद्यार्थियों का हेल्थ क्लब गठित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूलों के मध्याह्न भोजन खाद्य सामग्री की जाँच मैजिक बॉक्स, चलित खाद्य प्रयोगशालाओं के माध्यम से की जाएगी। अभियान में लायसेंस रजिस्ट्रेशन की जांच, मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर जप्ती, सीलिंग की कार्यवाही की जाएगी। मिलेट आधारित भोजन को प्रोत्साहन चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से दूध, दुग्ध उत्पाद के नमूनों, खाद्य तेल एवं मसालों की अधिकतम जांच, समस्त क्षेत्रों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम किये जायेंगे। मिलेट आधारित भोजन के प्रोत्साहन तथा उपयोग को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से मिलेट मेले का आयोजन किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईट-राइट गतिविधियाँ तथा जनजागरूकता अभियान विभिन्न विभागों के सामंजस्य से आयोजित किए जाएँगे।

जिले में वर्ष 2024 के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरविन्द कुमार दुबे द्वारा वर्ष 2024 हेतु तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। इनमें 20 अगस्त 2024 मंगलवार को भुजरिया/कजलियां पर्व, 11 अक्टूबर 2024 शुक्रवार को दुर्गा अष्टमी तथा 15 अक्टूबर 2024 मंगलवार को दरगाह शरीफ का 803-वॉ वार्षिक उत्सव उर्स को स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। यह अवकाश जिले के कोषालय तथा उप कोषालय के लिए लागू नहीं होंगे।

ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को रकबों एवं बोई गई फसल का सत्यापन कराना अनिवार्य

सीहोर (निप्र)। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा रबी विपणन वर्ष 2024-25 के लिए जारी पंजीयन नीति अनुसार किसान पंजीयन दिनांक 05 फरवरी से दिनांक 01 मार्च तक किया जाना है। पंजीकृत किसानों का रकबा का सत्यापन ई-उपार्जन पोर्टल पर अनुविभागीय अधिकारी तथा तहसीलदार द्वारा किया जायेगा। विगत वर्ष के पंजीयन से 50 प्रतिशत अधिक रकबा वाले, चार हेक्टेयर से अधिक रकबा वाले, सिकमी, बटाईदार, कोटवार किसान, अन्य के स्वामित्व की भूमि, वन पट्टाधारी किसानो के रकबे, फसल एवं फसल की किस्म का सत्यापन वन विभाग के अमले द्वारा किया जायेगा। जिसकी प्रविष्टी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्ला. कार्पो. ख्क्क्ष्स्ष्ट के लॉगिन से की जाएगी। सत्यापन कार्य के लिए उपार्जन पोर्टल पर संबंधितों की लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध करा दिया गया है। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह नेरबी विपणन वर्ष 2024 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों का रकबा एवं बोई गई फसल का गंभीरतापूर्वक सत्यापन समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित् करने के निर्देश दिए हैं।

धोखाधड़ी से जमीन-खरीदने बेचने की संभावना शून्य साइबर तहसील में नामांतरण 15 दिन में

सीहोर (निप्र)। साइबर तहसील की व्यवस्था से अब लोग गांव से ही नामांतरण के लिए आवेदन भर देते हैं। उनका नाम खाते में दिखने लगता है। कृपाल सिंह ठाकुर की अपनी पांच एकड़ पुश्तैनी जमीन है जो पिताजी प्रहलाद सिंह ठाकुर के नाम है। पिताजी सौ साल करीब के हो गए हैं। जब उन्होंने अपने पिताजी को तहसील व्यवस्था के बारे में बताया कि तो वे भी जल्दी नामांतरण होने से खुश हुए। कृपाल सिंह ठाकुर सीहोर की इछावर तहसील में आर्य गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने एक साल पहले अपने गांव में सेन समाज की स्वामित्व वाली एक एकड़ जमीन खरीदी। कृपाल सिंह जमीन खरीदने के साथ ही इस बात से खुश है कि उन्हें तहसील के चक्कर नहीं काटना पड़े। आसानी से उनके जमीन का नामांतरण हो गया। सरकारी खाते में नाम चढ़ गया। नामांतरण प्रक्रिया का अनुभव सुनाते हुए वे बताते हैं कि लोगों को दो से तीन महीने तक लगातार तहसील के चक्कर काटना पड़ते थे। सचिन पांचाल सीहोर के लालाखेड़ी गांव में रहते हैं। उन्होंने पास के खोकरी गांव में खेती की जमीन खरीदी। जमीन खरीदने के बाद सिर्फ 15 दिनों में नामांतरण की प्रक्रिया पूरी हो गई। वे सरकार की इस व्यवस्था से बेहद खुश हैं। वे कहते हैं कि अब नामांकन के काम में जो बीच के लोग सक्रिय रहते थे अब उनका भी लगभग खात्मा हो गया है। वे बताते हैं की जमीन नामांतरण के आवेदन करने के तत्काल बाद ही खसरे के 12 नंबर कॉलम में उनका नाम चढ़ा हुआ दिखने लगा था। उन्होंने डाउनलोड कर लिया। बाद में उनके मोबाइल नंबर पर संदेश भी आया। इस प्रक्रिया के लाभ के बारे में सचिन पांचाल बताते हैं कि इससे जमीन खरीदी बिक्री में होने वाली धोखाधड़ी की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। जिससे जमीन ली है वह अब दूसरों को जमीन नहीं बेच सकता। यदि ऐसा करता है तो जमीन के खरीदार का खाता अपलोड ही नहीं हो सकता। साइबर तहसील की व्यवस्था नहीं होती तो नामांतरण में कितने दिन लगते इस संबंध में सचिन बताते हैं कि 2 से 3 महीने का समय लगता लेकिन यह काम 15 दिन में ही हो गया। इसी प्रकार मोहन लाल सीहोर तहसील के मुशकरा गांव में रहते हैं। उन्होंने पास के गांव में 15 डिसमिल जमीन पिछले साल खरीदी। वे बताते हैं कि पटवारी ने ऑनलाइन आवेदन करने की सलाह दी थी और इसके अलावा कुछ नहीं किया। सब काम सही समय पर हो गया। हमें नामांतरण की प्रक्रिया पूरी होने में 10 से 15 दिन का ही समय लगा। बार-बार तहसील के चक्कर काटने और अपना समय खराब करने की जरूरत नहीं पड़ी। मध्य प्रदेश के राजस्व प्रशासन सुधार में साइबर तहसील व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों के हित में अभूतपूर्व परिवर्तन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार अब प्रदेश में राजस्व प्रकरणों का निराकरण अत्यंत कम समय में हो जाएगा। भू अभिलेखों में अमल के बाद भू-अभिलेखों एवं आदेश की सत्यापित प्रतिलिपि सम्बंधित पक्षकार को मिल सकेगी। अब अनावश्यक रूप से लंबित रहने वाले प्रकरणों का तकनीकी सहायता से कम समय में गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो सकेगा। साइबर तहसीलों में औसत 15 से 17 दिनों का समय लग रहा है जो मैन्युअल प्रक्रिया में लगने वाले 60 दिनों की तुलना में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस प्रकार के प्रकरणों में 15 दिन की समय सीमा में बिना आवेदन दिए, पेपरलेस, फ़ेसलेस और ऑनलाइन नामांतरण और भू अभिलेख अद्यतन करने के लिए साइबर तहसील स्थापित की गयी है। संपूर्ण खसरा के क्रय विक्रय से संबंधित 2 लाख नामांतरण प्रकरणों का निराकरण साइबर तहसीलों से किया जा सकता है। प्रकरणों में त्वरित नामांतरण के अलावा भू-अभिलेख अपडेट होगा। क्षेत्रीय तहसील स्तर पर अविवादित प्रकरणों के निराकरण का भार कम होगा। साइबर तहसील की व्यवस्था के लिए राजस्व विभाग द्वारा मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 में संशोधन कर धारा 13-क में साइबर तहसील के प्रावधान किए गए हैं। साइबर तहसील परियोजना की शुरुआत 01 जून 2022 से सीहोर जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई। अब साइबर तहसील की व्यवस्था सभी जिलों में लागू हो रही है। कैसे होगा काम साइबर तहसील में पंजीयन से नामांतरण तक की प्रकिया लागू कर दी गई है। साइबर तहसील को 4 अलग-अलग प्लेटफार्मों जैसे संपदा पोर्टल, भूलेख पोर्टल, राजस्व प्रकरण प्रबंधन व्यवस्था के पोर्टल से जोड़ दिया गया है। सायबर तहसील में ऐसे प्रकरण निराकरण योग्य हैं - संपूर्ण खसरा, जिसे विभाजित नहीं किया गया एवं ऐसी जमीन जो किसी प्रकार से गिरवी या बंधक ना रखी गई हो। पोर्टल पर पंजीयन करने के बाद और रजिस्ट्री के बाद रेवेन्यू पोर्टल पर स्वत केस दर्ज हो जाएगा। इसके बाद सायबर तहसीलदार द्वारा जाँच की जाएगी। सूचना के बाद इश्तेहार एवं पटवारी रिपोर्ट के लिए मेमो जारी किया जाएगा। इसके बाद आदेश पारित कर भू-अभिलेख को अपडेट किया जाएगा। दस दिन बाद दावा आपति प्राप्त नही होने पर ई मेल एवं वाट्सअप से आदेश दिए जायेंगे। साइबर तहसील की विशेषतायें व लाभ रजिस्ट्री के बाद बिना आवेदन किये नामांतरण का प्रखंड दर्ज हो जाता है। इस प्रक्रिया में क्रेता और विक्रेता को नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय में उपस्थित होने, पेशी पर आने की जरूरत ही नहीं।

रायसेन के याकूब, अभय को गोल्ड एंव रेनू को सिल्वर मेडल मेडल

रायसेन (निप्र)। चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (अष्ट लक्ष्मी) आसाम 2023-24 में पहली बार पुरूष हॉकी ने पात्रता प्राप्त की एवं पहली ही बार स्वर्ण पदक जीता। टीम में हॉकी फीडर सेंटर मंडीदीप के श्री अभय परिहार ने मीडफीलड में शानदार प्रदर्शन कर टीम को मज़बूती प्रदान की। गुवाहाटी के मौलाना तैयब हॉकी स्टेडियम मे रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन पूल के पहला लीग मुक़ाबले में कड़े संघर्ष में बेंगलूरू विश्वविद्यालय से 5-4 से पराजित हो गई थी, इससे टीम और मज़बूत होकर अगले मुक़ाबले में उतरी, रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने अपने दूसरे लीग मैच में संबलपूर विश्वविद्यालय को 5-0 से पराजित किया। लीग के अंतिम मुक़ाबले में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय की रजत पदक विजेता गुरूनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर को 5-4 से पराजित कर सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सेमीफ़ाइनल रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय पंजाब को ट्राइब्रेकर में 5-4 से पराजित कर फ़ाइनल में प्रवेश किया। कल दिनांक 25 फरवरी को को देर रात खेले गए फ़ाइनल मुक़ाबले में रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन ने बेंगलूरू विश्वविद्यालय को ट्राइब्रेकर में 4-2 से पराजित कर देश की नम्बर 1 टीम होने का गौरव प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश से पुरूष हॉकी में पहली बार कोई टीम ने पात्रता प्राप्त की, रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने पहली बार पुरूष हॉकी टीम बनाई, पश्चिम क्षेत्र में विजेता बनने के बाद अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता के टॉप 8 में आने पर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की पात्रता प्राप्त की और पहली बार में ही चैम्पियन बन इतिहास रच दिया। पुरूष वर्ग के फ़ाइनल मुक़ाबले के पूर्व महिला वर्ग के खेले गए फ़ाइनल मुक़ाबले में सबलपुर विश्वविद्यालय ने आई.टी.एम. विश्वविद्यालय ग्वालियर जो कि लगातार चौथे वर्ष फ़ाइनल मुक़ाबला खेल रही थी को संघर्षपूर्ण मैच मे ट्राइब्रेकर में 5-4 से पराजित किया। आई. टी. एम. विश्वविद्यालय ग्वालियर को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। आई टी एम विश्वविद्यालय की और से हॉकी फीडर सेंटर मंडीदीप की रेनू यादव ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। रायसेन के स्टार शूटर श्री याकूब अहमद सिद्दीक़ी ने 50 मीटर 3री पोज़ीशन रिले में कल रात स्वर्ण पदक जीता, याकूब का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में यह पहला पदक है।

नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक निकाय के लिये तैयार होगा वन सिटी-वन मेप ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिये शहर से जुड़ी जानकारी होगी एक पोर्टल पर

रायसेन (निप्र)। नगरीय विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने शहरी क्षेत्र के नागरिकों को एक पोर्टल पर जानकारी देने के उद्देश्य से ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नवाचार करने के निर्देश नगरीय विकास विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नवाचार के माध्यम से विभाग की सभी योजनाओं से संबंधित डाटा को आपस में जोड़कर एक प्लेटफार्म पर लाने का कार्य किया जायेगा। इसके लिये प्रदेश स्तर पर भोपाल में अर्बन डाटा एनालिटिक सेंटर (जीआईएस) की स्थापना की जायेगी। नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश में नवाचार की यह प्रक्रिया डिजिटल इण्डिया के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इससे शहर के निर्माण और विकास कार्य से जुड़ी एजेंसी बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि वन सिटी वन मेप के माध्यम से विकास कार्यों को एक निश्चित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सकेगा। प्रदेश के सभी नागरिकों को शहरी क्षेत्र से जुड़ी सुविधाएँ जैसे सड़कों, शहरी परिवहन व्यवस्था, पानी की पाइप-लाइन, सार्वजनिक शौचालय इत्यादि की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकेगी। नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक निकाय के लिये वन सिटी-वन मेप तैयार किया जायेगा। इसके माध्यम से इन्फ्रा-स्ट्रक्चर सुविधाओं की जानकारी सिंगल मेप से प्राप्त की जा सकेंगी और डाटा विश्लेषण के आधार पर नागरिकों के लिये और बेहतर समन्वय के साथ योजनाएँ बनाने, क्रियान्वयन और मॉनीटरिंग में मदद मिलेगी। शहरी क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के जियो टैग डाटा का प्रयोग करते हुए प्रदेश स्तर पर मॉनीटरिंग के लिये सिंगल डेशबोर्ड बनाया जायेगा।

थाईलैंड में सांची स्तूप में संजोकर रखे गए पवित्र अवशेषों को देखने उमड़ी बौद्ध अनुयायियों की भीड़

रायसेन (निप्र)। थाईलैंड में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची के बौद्ध स्तूप परिसर में रखे भगवान बुद्ध के शिष्यों अर्हन्त सारिपुत्र और अर्हंत महामोगल्यान के पवित्र अवशेषों को दर्शन के लिए बैंकाक, थाईलैंड और कंबोडिया विहार ले जाया गया है। विश्व के विभिन्न देशों से बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के पवित्र अवशेषों के दर्शन के लिए पहुंच रहें है। प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला ने बतया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में 22 फरवरी से 18 मार्च 2024 तक थाईलैंड और विभिन्न शहरों में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को अनुयायियों और आमजन के अवलोकन के लिए ष्बुद्धभूमि भारतष् पैवेलियन में रखा गया है। मध्यप्रदेश में सांची स्तूप की प्रतिकृति और पर्यटन स्थलों के वीआर 360 वीडियो प्रदर्शित कर थाईलैंड के पर्यटकों को आकर्षित कर मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री विवेक क्षोत्रिय के नेतृत्व में पहला दल थाईलैंड पहुंचा है। सांची से थाइलैंड पहुंचने के बाद, अस्थि अवशेषों का एक भव्य समारोह में स्वागत किया गया। बैंकॉक में सनम लुआंग मंडप के एक भव्य मंडपम में स्थापित गया है, जहां दुनियाभर से बौद्ध अनुयायी इन अस्थि अवशेषों पर श्रद्धा अर्पित कर रहे हैं। यहां मध्यप्रदेश के स्टॉल में मौजूद अधिकारियों द्वारा अवशेषों एवं सांची स्तूप के बारे में जानकारी दी जा रही है। वीआर के माध्यम से सैकड़ों लोगों/भिक्षुओं/अतिथियों/गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सांची भ्रमण किया गया है। संस्कृति और पर्यटन विभाग की पहल से दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबी इन अवशेषों के दर्शन कर पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को सांची में बौद्ध स्तूप परिसर में स्थित चैतियगिरी विहार मंदिर में रखे भगवान बुद्ध के शिष्यों अर्हन्त सारिपुत्र और अर्हंत महामोगल्यान के पवित्र अवशेषों को महाबोधी सोसायटी श्रीलंका के प्रमुख श्री वानगल उपतिस्स नायक थेरो की उपस्थिति में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने भारत सरकार द्वारा अधिकृत तथा राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रतिनिधि श्री डीजे प्रदीप को थाईलैंड ले जाने हेतु सुरक्षित तरीके से सौंपा था।

लोकसभा निर्वाचन-2024 सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन

रायसेन (निप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने सोमवार को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर उपजिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के द्वितीय चरण के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पांच दिन तक चलेगा। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकरी श्री राजन ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को संबोधित किया। श्री राजन ने कहा कि निर्वाचन के कार्य को सभी अधिकारी गंभीरता के लें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे जाने वाले सभी दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें।

मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो और एक परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर हो सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें। मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें। यदि किसी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाताओं की संख्या है, तो सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजें। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था, बिजली, शौचालय, पीने का पीने और रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित आवेदनों का जल्द निराकरण करें

सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि कोई भी प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए। नाम जोड़ने, हाटने और संशोधन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों का जल्द से जल्द निराकरण करने और मतदाता सूची से दोहरी प्रवृष्टि, समान फोटो वाले मतदाताओं की जांच करने के निर्देश दिए।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों में तेजी लाएं

श्री राजन ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई मतदान केंद्र हैं जहां पर पिछले लोकसभा निर्वाचन-2019 में मतदान का प्रतिशत कम था। ऐसे क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूक करें। स्वीप गतिविधियों में तेजी लाएं। इसके साथ ही वल्नरेबिलिटी मैपिंग की कार्यवाही भी पूर्ण करें।

श्री राजन ने कहा कि कुछ जिलों में जेंडर रेशियो के अनुपात में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, उन जिलों में महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु अभियान चलाएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, ऊषा सहित शासकीय विभाग में कार्यरत महिला अधिकारियों-कर्मचारियों की मदद लें। 8 फरवरी को प्रदेश के समस्त मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया अभी चल रही है, ऐसे में जिन मतदाताओं का नाम छूट गया है या जिनकी उम्र एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष से अधिक हो गई है वे नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन की सुविधा प्रदान की गई है। कोई भी नागरिक Voter Helpline App ¥õÚU voters.eci.gov.in वेबसाइट पर जाकर अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व नेशनल मास्टर ट्रेनर श्री प्रमोद कुमार शुक्ला, एनएलएमटी झारखंड सुश्री गीता चौबे, छत्तीसगढ़ श्री प्रनव सिंह, श्री प्रवास जैन मप्र, हरियाणा श्री विशाल, उज्जैन श्री गजेंद्र उज्जैनकर उपस्थित रहे।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, बुधवार 28 फरवरी , 2024

हारे हुए कैंडिडेट को भी लोक सभा चुनाव में खड़ा करेगा जयस

इंदौर। लोकसभा चुनाव में भी जयस मालवा-निमाड़ की तीन आरक्षित सीटों के साथ बैतूल में भी प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। प्रत्याशी चयन के लिए संगठनात्मक स्तर पर मंथन चल रहा है।विधानसभा चुनाव में आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) ने पहली बार प्रत्याशी खड़े किए थे। हालांकि किसी भी प्रत्याशी को जीत नहीं मिली, लेकिन कुछ जगह हजारों वोट मिले हैं। इससे उम्मीदें परवान चढ़ी हैं।जयस से जुड़े कमलेश्वर डोडियार ने भारत आदिवासी पार्टी से चुनाव लड़कर सैलाना से जीत दर्ज की तो कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े डॉ. हीरालाल अलावा दूसरी बार और मोंटू सोलंकी सेंधवा से पहली बार जीतकर आए। इसके चलते जयस अब लोकसभा चुनाव में भी अपने प्रत्याशी खड़े करने की तैयारी कर रहा है। मालवा-निमाड़ की तीन सीटों धार, रतलाम-झाबुआ और खरगोन-बड़वानी पर फोकस किया जा रहा है। बैतूल लोकसभा पर भी तैयारी की जा रही है। योजना यह है कि प्रत्याशी का नाम आखिर में घोषित किया जाएगा, ताकि कांग्रेस या भाजपा से जिन्हें टिकट न मिले, उन्हें भी चुनाव लड़ाया जा सके। विधानसभा चुनाव में धार की दो, रतलाम-झाबुआ की सात, खरगोन-बड़वानी की चार और बैतूल की दो विधानसभाओं में संगठन ने प्रत्याशी उतारे थे।जयस के कुछ नेता कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। धार से महेंद्र कनौजे तो आदिवासी अधिकारी व कर्मचारी संगठन संघ के पोरलाल खर्ते खरगोन-बड़वानी से टिकट मांग रहे हैं। हालांकि धार से विधायक हनी बघेल तो खरगोन-बड़वानी से बाला बच्चन का नाम चर्चा में है। बच्चन के अलावा विधायक रहे ग्यारसीलाल रावत भी दावेदारी कर रहे हैं

महापौर ने शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व चौराहे पर नवीन ट्रैफिक सिग्नल का किया लोकार्पण

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शहीद चन्द्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद चन्द्रशेखर चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही शहीद चन्द्रशेखर आजाद तिराहे पर नवीन ट्रैफिक सिग्नल का भी शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद महेश चौधरी व बडी संख्या क्षेत्रीय रहवासीगण उपस्थित थे। महापौर भार्गव ने बताया कि शहीद चन्द्रशेखर आजाद चौराहे पर लगातार यातायात रहता था, जिसके कारण ट्रैफिक जाम रहने, दुर्घटना होने की संभावना के साथ ही आम जन को भी असुविधा का सामना करना पडता था। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए महापौर के निर्देशन में शहीद चौक चौराहे पर यातायात के सुचारू संचालन के लिये नवीन ट्रैफिक सिग्नल का शुभारम्भ किया गया। महापौर ने बताया कि यहां पर पूर्व में ट्रैफिक सिग्नल नहीं होने से चारों ओर से आने वाले वाहनों तथा चौराहे के किनारे मजदूर चौक होने कारण चौराहे पर जाम लगा रहता था, अब यहां का यातायात सुव्यस्थित चलेगा और दुर्घटना से भी बचा जा सकेगा।

अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट ने थमाया सहकारिता आयुक्त को नोटिस

इंदौर। दरअसल इंदौर हाईकोर्ट ने संस्था संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश सहकारिता आयुक्त को दिए थे। हाईकोर्ट के निर्देश पर सहकारिता आयुक्त ने पत्र भी जारी किया और इंदौर कार्यालय को कार्रवाई के लिए कहा। मगर 6 माह पश्चात भी जब सहकारिता विभाग सोया रहा और कोई कार्रवाई नहीं की तो संस्था से जुड़े संघर्ष समिति के सदस्यों ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर दी, जिस पर अभी हाईकोर्ट ने सहकारिता आयुक्त को नोटिस जारी कर दिए हैं।संघर्ष समिति के संजय धामोरे, सुनील वालेकर और किशोर दाहिगुड़े ने बताया कि सहकारिता आयुक्त ने कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा। मगर उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया, जिसके चलते हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर करना पड़ी। 15 करोड़ से अधिक का घोटाला संस्था से जुड़े संचालकों ने किया और पीड़ितों ने सारे दस्तावेजों को जमा कर जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंपे भी। यहां तक कि संचालकों ने शिव विलास पैलेस के पास अवैध बिल्डिंग का निर्माण कर सदस्यों की लाखों रुपए का राशि खर्च कर डाली।

एसजीएसआइटीएस विवाद में सीनियर छात्र बयान देने नहीं पहुंचे,विभाग अध्यक्ष और शिक्षकों के सामने होंगे बयान

इंदौर। श्री गोविंदराम सेक्सरिया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड साइंस (एसजीएसआइटीएस) के सीनियर-जूनियर विद्यार्थियों के बीच विवाद को लेकर अनुशासन समिति की जांच शुरू हो चुकी है। सोमवार को समिति के समक्ष दोनों गुट के विद्यार्थियों के बयान होना थे, लेकिन सीनियर छात्र नहीं पहुंचे। बल्कि उनके माता-पिता निदेशक डॉ. राकेश सक्सेना से मिलने पहुंचे।छात्रों के दो गुटों में हुए विवाद के बाद एक-दूसरे पर पथराव किया।माता-पिता ने अपने बच्चों के भविष्य को देखते संस्थान से बाहर नहीं करने की गुहार लगाई, जबकि पीड़ित छात्र के अभिभावक और भाई ने भी निदेशक से मुलाकात कर दोषियों पर जल्द कार्रवाई पर जोर दिया। फिलहाल समिति की सिफारिश पर संस्थान ने पुलिस को पत्र लिखकर कार्रवाई के बारे में पूछा है, वहीं संस्थान में बाहरी विद्यार्थियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही हास्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को आईडी कार्ड दिखाने के बाद ही बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी।

सीनियर और जूनियर छात्रों के बीच हुआ था विवादबीई सेकंड ईयर के प्रियांशु राठौर का विवाद फाइनल ईयर के विकास-मानवेंद्र से हुआ, जहां सीनियर छात्रों के साथी दीपांशु और देवांश पांडे ने मारपीट की। मानवेंद्र ने बेल्ट से भी मारा। इससे प्रियांशु की आंख पर गंभीर चोट आई। घटना के बारे में कृतज्ञ मालवीय ने प्रियांशु के मौसी के बेटे यशराज राठौर को फोन पर सूचना दी। इसके बाद प्रियांशु को इलाज करवाने के लिए निजी अस्पताल लेकर गए। घटना की शिकायत तुकोगंज थाने में की। मामले की जांच संस्थान ने अनुशासन समिति को दी। सोमवार को समिति के सामने प्रियांशु राठौर और मानवेंद्र-विकास, दीपांशु और देवांश पांडे को बयान देने के लिए बुलाया था। मगर एक भी छात्र नहीं पहुंचा। समिति ने मंगलवार को विद्यार्थियों से उनके बयान विभागाध्यक्ष और शिक्षकों के सामने लेने का फैसला किया है।

खराब हो गया बेटे का जीवन

पीड़ित छात्र प्रियांशु के माता-पिता ने निदेशक से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बेटे को पढ़ने के लिए भेजा था, लेकिन मारपीट व विवाद करने लगे हैं। इस विवाद में बेटे को गंभीर चोट आई है। अब उसका जीवन खराब हो गया है। आंखों की रोशनी पर असर पड़ा है। दोषियों पर संस्थान सख्त कार्रवाई करें। ताकि ये आगे से ऐसी हरकत बाकी किसी विद्यार्थी के साथ नहीं कर सके।

महापौर ने वार्ड 11 भागीरथपुरा क्षेत्र में जलप्रदाय व सीवरेज की समस्या के निदान के दिये निर्देश

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद एवं सचेतक कमल वाघेला ने बताया कि वार्ड 11 में भागीरथपुरा व अन्य क्षेत्रों में लंबे समय से जलप्रदाय लाइन में गंदे पानी की शिकायत आ रही थी जिससे क्षेत्रीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ रहा था, इस संबंध में महापौर को अवगत कराया गया जिसके पश्चात उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर जलप्रदाय लाइन व सीवरेज लाइन के संबंध में भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अभय राजनगांवकर, विभाग प्रमुख सुनिल गुप्ता, संजीव श्रीवास्तव, डीआर लोधी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। महापौर ने अपर आयुक्त मिश्रा को उक्त क्षेत्र में सर्वे कर आवश्यकतानुसार सीवरेज लाईन व नर्मदा जलप्रदाय लाइन डालने के लिये प्रस्ताव तैयार करने के साथ ही जल जमाव वाले क्षेत्रों में जहां-जहां आवश्यकता हो उन स्थानों पर स्टॉम वॉटर लाइन डालने एवं सड़क निर्माण के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

जमीने भू-मालिकों को नहीं मिली, अविकसित भूखंड बेचने चला प्राधिकरण

इंदौर। एक तरफ टीपीएस योजनाओं में भू-मालिकों को अभी तक 50 फीसदी जमीन जो कि विकसित होने पर दी जाना है, नहीं मिली। वहीं आधी-अधूरी योजना टीपीएस-5, जो कि बाईपास की बेशकीमती जमीन पर घोषित की गई है, उसमें अविकसित भूखंडों को बेचने का प्रस्ताव बोर्ड में रख मंजूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बोर्ड बैठक में सुपर कॉरिडोर पर स्टेडियम के लिए आरक्षित 20 एकड़ जमीन पर जो सिंगल टेंडर प्राप्त हुआ था उसे भी मंजूर करने का खेला संभव है। जबकि नगर तथा ग्राम निवेश कुछ समय पूर्व ही प्राधिकरण द्वारा मंजूरी के लिए भेजे गए अभिन्यास को अस्वीकृत कर चुका है और फिर से सीमांकन करवाने को कहा है। प्राधिकरण की योजना 151 और 169-बी में खेल गतिविधियों के लिए स्टेडियम का प्रावधान किया गया, जिसकी 20 एकड़ जमीन टेंडर के जरिए बेचने के प्रयास किए गए। मगर इसी बीच नगर तथा ग्राम निवेश ने पुराने और नए नक्शों में गड़बड़ी मिलने पर प्रस्तुत नक्शे को अस्वीकृत कर दिया। दूसरी तरफ प्राधिकरण ने इस अस्वीकृत अभिन्यास के आधार पर ही पिछले दिनों टेंडर आमंत्रित किए और मात्र 1 रुपए अधिक दर पर स्थानीय फर्म मध्य भारत एलएलपी ने यह सिंगल टेंडर जमा किया है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में अतिरिक्त विषय के रूप में इस सिंगल टेंडर के प्रस्ताव को रख मंजूर करने का खेल भी हो सकता है। इसी तरह एक खेल टीपीएस-5, कनाड़िया की योजना को लेकर भी चल रहा है। राजनीतिक दबाव-प्रभाव के चलते इस अविकसित योजना में भी भूखंड बेचने की मंजूरी का प्रस्ताव बोर्ड में रखा गया है। जबकि जो जमीन मालिक हैं उन्हें ही अभी तक प्राधिकरण ने 50 फीसदी जमीन वापस नहीं लौटाई है और टीपीएस-5 में जो भूखंड बेचना है वे फिलहाल अविकसित हैं और रेरा से भी अनुमति प्राधिकरण ने नहीं ली। जबकि कोई निजी बिल्डर या कालोनाइजर भी बिना रेरा अनुमति के भूखंड, फ्लेट अपने किसी प्रोजेक्ट में नहीं बेच सकता। मजे की बात यह है कि प्राधिकरण में फिलहाल पूर्णकालिक सीईओ नहीं हैं, क्योंकि 40 दिन की ट्रेनिंग पर सीईओ गए हैं और उनकी जगह अपर कलेक्टर गौरव बेनल को प्रभारी सीईओ का चार्ज दिया गया है। वहीं अध्यक्ष के रूप में संभागायुक्त ने पिछले दिनों चार्ज लिया। इस बोर्ड बैठक में एमआर-11, एबी रोड से बायपास तक 60 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान रोड का गैर योजना मद में निर्माण, मास्टर प्लान 2041 के वृद्धित निवेश क्षेत्र में प्राधिकरण की टीपीएस योजनाओं के प्रस्ताव, गंगवाल बस स्टैंड से कलेक्टर कार्यालय मार्ग की चौड़ाई, टीपीएस-8 में आरक्षित भूमि पर आवासीय भूखंड के नियोजन और इंदौर रीजनल डेवलपमेंट प्लान की कार्य योजना के लिए कंसलटेंट की नियुक्ति के अलावा मेघदूत उपवन के पास स्थित जमीन पर एम्यूजमेंट पार्क के विकास की जन और निजी भागीदारी योजना यानी पीपीपी से जुड़ा विषय भी शामिल किया गया है। हालांकि निगाह दो विवादित विषयों पर सबकी रहेगी, जिसमें टीपीएस-5 में अविकसित भूखंड बेचने की अनुमति के प्रस्ताव के अलावा दूसरा मामला स्टेडियम की जमीन पर मिले सिंगल टेंडर का है, जो कि लगभग 200 करोड़ का है। इसके लिए प्राधिकरण द्वारा आरक्षित कीमत 23800 रुपए प्रति वर्ग में सिर्फ 1 रुपए बढ़ाकर टेंडर जमा किया है। हालांकि ये जमीन एमपीसीए भी रियायती दरों पर मांग चुका है। वैसे भी जमीन की कीमत रीक्रिएशनल एक्टीविटी के चलते 40 फीसदी ही प्राधिकरण ने भी तय की है।

इंदौर सहित प्रदेशभर में पराली से बायो फ्यूल होगा तैयार

इंदौर। किसानों के लिए सिरदर्द व पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो रही पराली से जल्द ही इंदौर सहित प्रदेशभर में बायोफ्यूल तैयार होगा। इंदौर के डकाच्या में रिलायंस कंपनी द्वारा 150 करोड़ रुपये की लागत से पराली से बायो फ्यूल बनाने वाले प्लांट तैयार करेगी। कंपनी प्रथम चरण में प्रदेश में 10 स्थानों पर इस तरह के प्लांट स्थापित कर रही है। इनमें से पांच स्थानों पर तो प्लांट का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।कंपनी दूसरे चरण में प्रदेश में 10 अन्य स्थानों पर इस तरह के प्लांट तैयार करेगी। उज्जैन में होने वाले रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के दौरान डकाच्या से ही कंपनी के प्रदेश बनने वाले बायो फ्यूल प्लांट का भूमि पूजन करेगी। उज्जैन में 1 व 2 मार्च होने जा रहे इस आयोजन के पहले देश-विदेश के उद्योगपतियों को प्रदेश में निवेश के लिए रुझान दिखने लगा है। गोल्ड क्रस्ट कंपनी द्वारा नीमच में 3400 करोड़ रुपये की लागत से सीमेंट का प्लांट लगाने का प्रस्ताव मप्र औद्योगिक विकास निगम को दिया है।देवास में 1850 करोड़ रुपये की लागत से टीएसीसी लि. द्वारा बैटरी तैयार करने का प्लांट भी लगाया जाएगा। भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए कंपनी द्वारा बैटरी निर्माण के लिए किया जा रहा यह निवेश अहम साबित होगा। उज्जैन में आयोजित होने वाली कॉन्क्लेव में ये अब तक के उद्योगपतियों द्वारा दिए बड़े निवेश प्रस्ताव हैं। उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क 20 से अधिक मेडिकल उपकरण बनाने वाली इकाईयों ने उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखाई है। हालांकि अभी प्रारंभिक तौर पर मेडिकल उपकरण बनाने वाली छह कंपनियों का भूमिपूजन होना है।

इंदौर की सराफा चौपाटी शिफ्ट करने की सिफारिश

- अभी कमेटी की जांच रिपोर्ट नहीं मिली है: महापौर
- 16 फरवरी को कमेटी ने सराफा का निरीक्षण किया था

जांच कमेटी ने कहा- हालात खतरनाक हैं

इंदौर (नप्र)। इंदौर में जायका के लिए मशहूर रात में लगने वाली सराफा चौपाटी को शिफ्ट करने की सिफारिश कर दी गई है। नगर निगम द्वारा गठित कमेटी ने इस आशय की रिपोर्ट बना ली है। इसे कभी भी महापौर पुष्यमित्र भार्गव को सौंपा जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, आज ही इसे सौंपा जाएगा। मुख्य रूप से इसमें जो सिफारिश की गई हैं, उसमें कहा है कि सराफा चौपाटी खतरनाक स्थिति में है। यहां पाइप लाइन से गैस सप्लाय को भी कमेटी ने अव्यवहारिक बताया है। इधर, महापौर भार्गव ने मीडिया से कहा कि अभी कमेटी की जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। कमेटी ने जो भी सिफारिश की है, उस पर पहले जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से चर्चा की जाएगी। शहरहित में जो भी निर्णय होगा, लिया जाएगा।

यह है मामला

हरदा में पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के बाद सराफा चौपाटी पर रातभर जलने वाले सिलेंडर और संकरी गलियों में सोने की कारीगरी भी सिलेंडर पर होने का मुद्दा उठा था। सराफा के व्यापारियों ने यहां बड़े हादसे का डर जताया था। इसके बाद नगर निगम ने कमेटी बनाई थी, जिसने 16 फरवरी की रात सराफा चौपाटी का निरीक्षण किया था। इसमें गलियां, मकान, पार्किंग, ट्रैफिक, गैस सिलेंडर, बिजली कनेक्शन, भीड़ आदि की स्थिति देखी थी।

283 वाहन चालकों के लाइसेंस होंगे निरस्त

इंदौर। इंदौर महानगर में यातायात प्रबंधन एवं सड़क दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से आईटीएमएस सिस्टम स्थापित किया गया है, इस सिस्टम के द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ई-चालान बनाने की कार्यवाही की जा रही है जिसमे रेड लाइट उलंघ्घन, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, वाहन पर तीन सवारी बैठाने, गलत दिशा में वाहन चलाने आदि नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के ई-चालान जारी किये जा रहे हैं। दिनांक 24 फरवरी को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात नियमों के पालन करवाने व आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है, इसी तारतम्य में आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की सूची तैयार की गई है जिसमें ऐसे 283 वाहन है जिनके द्वारा विगत 6 माह में पांच या पांच से अधिक बार रेड लाइट का उल्लंघन कर स्वयं के साथ दूसरे सड़क उपयोगकर्ता का जीवन संकट में डाला गया है।

उक्त सूची में ऐसे भी वाहन चालक है जिन्होंने 16 से 25 बार नियमों का उल्लंघन किया है। जिसमे 1 वाहन चालक ने 25, 15 से 20 बार 7 वाहन चालक ने, 13 बार 2 वाहन चालक ने, 12 बार 10 वाहन चालक ने, 11 बार 10 वाहन चालक ने, 10 बार 12 वाहन चालक ने, 9 बार 23 वाहन चालक ने, 8 बार 37 वाहन चालक ने, 7 बार 49 वाहन चालक ने, 6 बार 102 वाहन चालक ने, 5 बार 10 वाहन चालक ने, 4 बार 4 वाहन चालको ने रेड लाइट का उल्लंघन किया है। ऐसे सभी वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए मोटर यान अधिनियम की धारा 19 (डी) के अंतर्गत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के माध्यम से कार्यवाही की जा रही है। ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन होने के उपरांत वाहन चालक निलंबन अवधि के दौरान वाहन चलाने के लिए पात्र नहीं होगा, यदि वह निलंबन अवधि के दौरान वाहन चलाता है और किसी दुर्घटना में शामिल होता है तो चालक को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 182 के तहत दंडित किया जाएगा। चालक को वाहन के बीमा का लाभ भी बीमा कंपनी द्वारा नहीं दिया जाएगा। अतः वाहन चालकों से अनुरोध है कि यातायात नियमों का जिम्मेदारी पूर्वक पालन करें, यदि यातायात नियमों के उल्लंघन का ई-चालान बना हो तो उसे गंभीरता से ले व निर्धारित समय सीमा में जुर्माना राशि का भुगतान करें और असुविधा से बचे।

मंत्री सिलावट के अथक प्रयासों से सांवेर क्षेत्र में बिछेगा सड़कों का जाल

लगभग 75 करोड़ 50 लाख रुपये लागत की 85 किलोमीटर लम्बी 29 सड़कें स्वीकृत

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के अथक प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र सांवेर को बड़ी सौगात मिली है। सांवेर क्षेत्र के लिए लगभग 75 करोड़ 50 लाख रूपये लागत की 85 किलोमीटर लम्बी 29 सड़कें स्वीकृत हुई हैं। अब सांवेर क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछेगा। मंत्री श्री सिलावट ने उक्त सड़कों की स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को सांवेर विधानसभा की ओर से धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है। श्री सिलावट ने कहा है कि इन सड़कों के जाल बनने से क्षेत्रीय नागरिकों के आवागमन में काफी सुविधा होगी। किसान अपनी उपज आसानी से मण्डी में ले जा सकेंगे। विद्यार्थियों को स्कूल कॉलेज आने-जाने में सुविधा होगी। बीमार व्यक्ति को आपात स्थिति में तुरंत इंदौर ले जाकर उपचार कराया जा सकेगा। लोगों के आवागमन में सुविधा के साथ-साथ धन एवं समय की भी बचत होगी। कई ऐसे कार्यों की सुविधा होगी जो सड़कों के अभाव के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। क्षेत्र में इतनी सड़कों की स्वीकृत मिलने पर ग्रामीणजनों में हर्ष व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री तुलसीराम सिलावट को धन्यवाद व्यक्त किया है।

इन सड़कों के लिए मिली स्वीकृति

सांवेर से शिप्रा मार्ग-16.92 किलोमीटर लागत 493.93 लाख रूपये, मुरादपुरा से मावलाखेड़ी लंबाई 2 किलोमीटर लागत 225 लाख रूपये, शहाणा से दर्जी कराडिया मार्ग लंबाई 3.50 किलोमीटर लागत 336 लाख रूपये, भांग्या सीसी रोड लंबाई 0.70 लागत 127 लाख, इंदौर उज्जैन मार्ग से प्रेमनगर से मुरादपुरा मार्ग लंबाई 3.90 किलोमीटर लागत 342 लाख, इंदौर उज्जैन रोड प्रेमनगर से सोलसिन्दा कटक्या रोड लंबाई 1.50 किलोमीटर लागत 188.59 लाख रूपये, किठोदा पहुंच मार्ग लंबाई 0.55 किलोमीटर लागत 91.34 लाख रूपये, मावलाखेड़ी से बधाना लंबाई 1 किलोमीटर लागत 125 लाख रूपये, उगमखेडी कजलाना से इंदौर उज्जैन मुख्य मार्ग 3.50 किलोमीटर लागत 333.66 लाख रूपये, राजोदा देवली लक्ष्मणखेडी मार्ग लंबाई 7 किलोमीटर लागत 674.32 लाख रूपये, बावलियाखुर्द आदिवासी बस्ती पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 किलोमीटर लागत 181.19 लाख रूपये, लसुड़िया आनंद से सिंधी बरोदा 3 किलोमीटर लागत 230.41 लाख रूपये, मोरोदहाट से लसुडिया आनंद 3 किलोमीटर लागत 290 लाख रूपये, टाकुन से कमल्याखेडा मार्ग 1.20 किलोमीटर लागत 106.99 लाख रूपये, बालोदा टाकुन आंतरिक मार्ग 0.70 किलोमीटर लागत 110 लाख रूपये, पोटलोद से बलगारा लंबाई 3 किलोमीटर लागत 321.67 लाख रूपये, बालरिया रोड से थीराखेडी मार्ग लंबाई 4 किलोमीटर लागत 400 लाख रूपये, मांगलिया अर्निया से जम्बूडी सरवर मार्ग 3 किलोमीटर लागत 321.67 लाख रूपये, खामोद आंजना से खामोद खदान तक 2 किलोमीटर लागत 227.91 लाख रूपये, खलखला से चापड़ा मार्ग 3 किलोमीटर लागत 279.22 लाख रूपये, खामोद कमलिया से रेशन केन्द्र कमल्याखेड़ा मार्ग लंबाई 3 किलोमीटर लागत 295.83 लाख रूपये, अर्जुन बरोदा से सिलोटिया मार्ग 3 किलोमीटर लागत 374.23 लाख रूपये, सिलोटिया से पलासिया मार्ग लंबाई 1.50 किलोमीटर लागत 230.58 लाख रूपये, शिप्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंच मार्ग 0.40 किलोमीटर लागत 52.71 लाख रूपये, बरलाई इमलीवाडा से रेलवे स्टेशन तक एप्रोच रोड 0.65 किलोमीटर लागत 52 लाख रूपये, गुरान से तेजाजी मंदिर नई आबादी से ठेलकांकड तक लंबाई 1 किलोमीटर लागत 79.98 लाख रूपये, डकाच्या से सुल्लाखेड़ी मार्ग लंबाई 4 किलोमीटर लागत 372.98 लाख रूपये और कदवाली खुर्द से मण्डलावदा मार्ग लंबाई 5 किलोमीटर लागत 470 लाख रूपये शामिल हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 28 फरवरी , 2024

संपादकीय | प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल के ठेकेदार...

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के तमाम उपाय नकल के धंधेबाजों के आगे विफल नजर आते हैं। अब उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा में नकल कराने वालों ने सेंधमारी कर ली। आखिरकार सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। पर्चा बाहर होने से परीक्षार्थी नाराज थे, विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि छह महीने के भीतर दुबारा परीक्षा कराई जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा है कि परीक्षाओं में शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। इस सेंधमारी की जांच विशेष कार्यबल को सौंप दी गई है। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों से ऐसे लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जो पर्चा हल कर भीतर भेज रहे थे। मगर हर बार की तरह यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाना है कि आखिर प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र बाहर हुआ कैसे। आजकल ज्यादातर परीक्षाएं चाक-चौबंद कंप्यूटर केंद्रों पर होने लगी हैं। जो परीक्षाएं इस तरह नहीं होतीं, उनमें प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं रखने की जगहों तथा परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाती है। मगर विचित्र है कि उत्तर प्रदेश पुलिस खुद पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा नहीं कर पाई।

यह कोई पहली प्रतियोगी परीक्षा नहीं है, जिसके पर्चे परीक्षा शुरू होने से पहले बाहर आ गए। अब तो जैसे यह सिलसिला-सा बन चुका है कि जब भी कोई प्रतियोगी परीक्षा होती है, उसमें नकल कराने वाले सेंध लगाने का उपाय तलाश ही लेते हैं। हर राज्य इस समस्या से ग्रस्त है। यहां तक कि जो परीक्षाएं कंप्यूरीकृत प्रणाली से होती हैं, उनमें भी ऐसी गड़बड़ी देखी गई है।अंदाजा लगाया

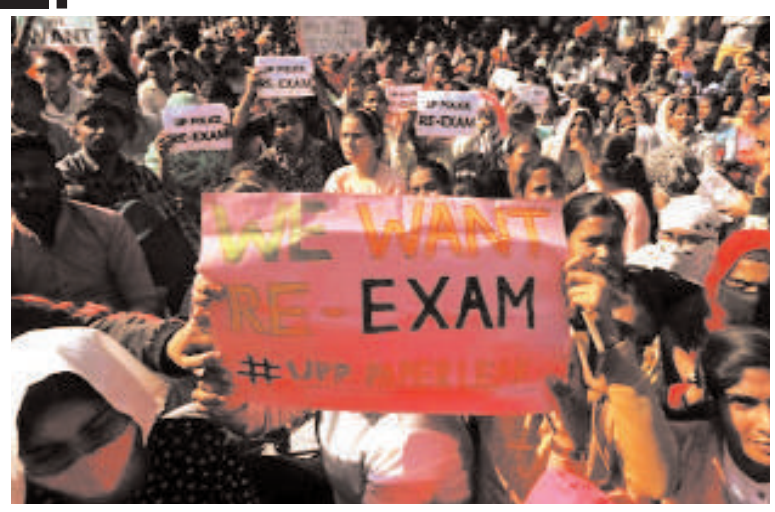

जा सकता है कि इस तरह परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न केवल परीक्षा की तैयारी में लगी उनकी मेहनत बर्बाद जाती है, बल्कि बहुत सारे विद्यार्थी तो जैसे-तैसे जुगाड़ करके परीक्षा का शुल्क अदा करते और फिर परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने का बंदोबस्त करते हैं। इनमें हजारों ऐसे छात्र होते हैं तो जमीन, जेवर वगैरह गिरवी रखकर परीक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करते हैं। पुलिस भर्ती के लिए महीनों वर्जिश करके खुद को तैयार करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में पचास हजार पदों के लिए करीब पचास लाख युवाओं ने आवेदन किया था। हालांकि राज्य सरकार ने परीक्षार्थियों से दुबारा आवेदन शुल्क न लेने और परीक्षा के लिए राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने का वादा किया है। मगर नकल माफिया के सक्रिय रहते परीक्षा में पारदर्शिता का भरोसा कैसे किया जा सकता है।उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि उसने अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। पुलिस भर्ती में वर्षों से चली आ रही धांधली को खत्म कर पारदर्शिता लाई गई है। मगर नकल पर नकेल कसने में वह विफल कैसे साबित हो रही है! ऐसा नहीं माना जा सकता कि परीक्षाओं को सेंधमारों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता। लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं ऐसे धंधेबाजों की पहुंच से दूर बनी हुई हैं। उसी तरह राज्य स्तरीय और अधीनस्थ कर्मचारी चयन की परीक्षाओं को क्यों अभेद्य और पारदर्शी नहीं बनाया जा सकता। जब तक धांधली की इस प्रवृत्ति की जड़ों प्रहार नहीं किया जाएगा, नकल के कारोबारी सेंधमारी और बहुत सारे योग्य युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे।

सोशल मीडिया से...

आज भारत जो भी कर रहा है, वह अप्रत्याशित रफ्तार से कर रहा है। आज के भारत ने छोटी चीजों का सपना देखना बंद कर दिया है। हम बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। ये नए विकसित भारत का संकल्प है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'संकल्प पत्र' देश को 2047 तक विकसित होने के लिए एक बड़ी छलांग लगाने में मदद करेगा। भाजपा ने लगातार तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में सत्ता बरकरार रखने का भरोसा जताया है और 543 सदस्यीय लोकसभा के लिए अप्रैल-मई में होने वाले संभावित चुनाव में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

ध्यान से सुन लो, जब तक मैं जिंदा हूं, तब तक असम में बाल विवाह नहीं होने दूंगा। यह आप सुन लीजिए। मैं आपको राजनीतिक चैलेंज करना चाहता हूं कि 2026 से पहले से यह दुकान बंद कर दूंगा।

हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम असम

मप्र देश में कूनो नेशनल पार्क सबसे अनूठा है और कूनो का क्षेत्र अपने आप में सबसे अलग है, इसलिए यहां चीता पुनर्वास केंद्र शुरू किया गया है और दुनिया में यह सबसे बड़ी सफलता का क्षेत्र भी है, क्योंकि यहां पर चीतों का पुनर्वास करने में हमने सफलता पाई है।

भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री

आज का कार्टून

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह जन्मदिवस 28 फरवरी 2024 पर विशेष

● "गांधी के रामराज्य का सपना साकार कर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सरकार में शामिल किया था दिग्विजय सिंह ने ● दिग्विजयसिंह ने "समतामूलक समाज की स्थापना कर दलितों, अलपसंख्यकों और अतिपिछड़े वर्ग को विकास की राह दिखायी थी ● राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, कर्पूरी ठाकुर, बीपी सिंह, काशीराम और अर्जुन सिंह के बाद दिग्विजय सिंह ने ही इन वर्गों को विकास की माला में पिरोने का वीणा उठाया था।

विनोद सेन सिरोंज

ढाई दशक यानि आज से 25 वर्ष पूर्व सात दिसंबर 1993 को दिग्गी राजा के नाम से प्रसिद्ध श्री दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेते ही एक सप्ताह की अनिश्चितता और ऊहापोह के बाद मध्यप्रदेश के जनमानस के चेहरे पर खुशहाली, उत्साह और प्रदेश की प्रगति, समृद्धि और विकास का अनवरत भाव देखा था। जनमानस के मन की भावना बयां कर रही थी कि अब प्रदेश के विकास की गाथा का नया इतिहास बनने जा रहा है। दिग्विजय सिंह देश के पहले ऐसे राजनेता है जो जनभावना की मंशा को दिलोमंजर में उतार कर पर्दे के पीछे से सत्ता हड़पने का कार्य करने वाली भाजपा और ईवीएम मशीन का खुलकर विरोध कर जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं।

गांधी परिवार के करीबी रहे दिग्विजयसिंह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के सूत्रधार भारत की राजनीति में कांग्रेस को एक नया मुकाम दिलाने वाले और मायूस होकर घर बैठ गये कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को संघर्ष के लिए तैयार करने वाले ऐसे पहले राजनेता है जिन्होंने सपत्नि पैदल चलकर माँ नर्मदा नदी की परिक्रमा की और जनमानस के दिलों में अपनी जगह बनायी। ऐसे जननायक आज भी विषम राजनैतिक परिस्थियों में समाजवादी सोच का परिचय देते हुये राज्यसभा सांसद के रूप मैं देश और प्रदेश की लोगों की ज्वलंत समस्याओं को उठा रहे है।

पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के साम्प्रदायिकमय वातावरण से व्यथित जन मानस ने राहत की सांस ली, कांग्रेस में हुये मंथन में दिग्विजय सिंह ऐसे तपस्वी शालीन सम्मानित संघर्षशील मर्यादित कर्मशील नये मुख्यमंत्री के रूप में निकले जिन जिन लोगों के नाम मुख्यमंत्री के पद के दावेदारों के रूप में नाम उछले थे, उससे कई अशुभ और अनिष्ठकारी आकांक्षाएं, जन सामान्य और कांग्रेसजनों के मन में उठने लगी थी, उन सबके बीच से दिग्विजय सिंह ऐसे प्रगतिशील अनुभवी और निरापद राजनीति की चयन निश्चित हो शुभ और नये युग की शुरुआत में हुआ।

तत्कालीन मध्यप्रदेश कांग्रेस ने उनसे बेहतर लोकप्रिय जन आस्था और विश्वास के प्रति प्रदेश के सर्वोच्च पद के लिये दिग्विजय सिंह कई मायनों में अनूठे है। चाहे संगठन हो या राजनीति, शासन हो या प्रशासन लंबे और सम्मानपूर्ण अनुभव के बावजूद उनका काम करने का तरीका अनुकरणीय, अद्भुत और दलगत राजनीति से ऊपर ही रहा है। स्पष्ट और वैचारिक और प्रतिबद्धताओं के होते हुये भी उनके संपर्क और सक्रियता का दायरा व्यापक है। वे देश के हर एक कार्यकर्ता को व्यक्तिशः जानने और विराट जनाधार वाले जननेता है। शिष्टता और शालीनता उनके सार्वजनिक आचरण का अंग है। व्यक्तिगत खूबियों के चलते विधायक दल की बैठक में सर्वमान्य नेता माना गया। निज परिस्थितियों में दिग्विजय सिंह ने प्रदेश की बागडोर संभाली थी, उनके सामने जबरदस्त चुनौतियां थी। प्रदेश में पूर्ववर्ती भाजपा शासन से मिला संदेह का वातावरण चारों और था। भाजपा ने अपने शासन के दौरान जिस राजनीति को प्रोत्साहन दिया परिणाम स्वरूप प्रदेशवासियों के मन में राजनीतिज्ञों के प्रति वितृष्णा और राजनीति मात्र के लिये ऊब किसी भी देशकाल में समाज और राज्य स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त नही थी, दिग्विजय सिंह के शपथ लेने के बाद से ही प्रदेश का वातावरण खुशनुमा हुआ, नई उमंग, नये दौर की राजनीति का उदय हुआ। उन्होंने अपने दल के सभी विशिष्ट नेताओं से प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये आशीष लिया।

दिग्विजय सिंह में प्रतिदंद्वी को मित्र बनाने की जो शैली थी वह गजब थी। एक पक्षीय उदारता का परिचय देते हुये विपक्ष के तत्कालीन नेता विक्रम वर्मा से राज्य विकास हेतु सहयोग लेने उनके निवास गये और यही से प्रारंभ हुआ सत्ता इतिहास का मधुरतम दौर, सात दिसंबर 1993 को पदभार ग्रहण करने के तत्काल बाद दिग्विजय सिंह ने राज्य सचिवालय में अपनी पहली प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति नई सरकार की नीति कार्यक्रम और अपने दीर्घकालीन अनुभव को स्पष्ट तरीके से प्रतिपादित किया ,अनुसूचितजाति, जनजाति, पिछड़ावर्ग, अल्पसंख्यक और कमजोर वर्ग की जरूरतों और समस्याओं के प्रति दिग्विजय सिंह की जानकारी लेने समझने और उन्हें हल करने की सर्वथा अनोखी कार्यशैली का परिचय देकर नया संदेश दिया, साम्प्रदायिक सद्भाव की बहाली अनुसूचितजाति, जनजाति, पिछड़ावर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग पर अत्याचार ना हो अधिकारियों को इस हेतु सशक्त हिदायतें दी गरीबी रेखा से नीचे जीवयापन करने वालों का जीवन स्तर सुधारा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने जिस ग्राम स्वराज्य राम राज्य की स्थापना इस देश मे कायम करने का सपना देखा था दिग्विजय सिंह ने देश में सबसे पहले उस सपने को साकार किया देश के संचार क्रान्ति के जनक स्व.राजीव गांधी जी को सोच पंचायती राज्य की स्थपना करने वाला पहला राज्य स्थापित करने का यश अर्जित किया यह एक बुनियादी परिवर्तन का इस परिवर्तन से सुदूर अंचलों और विकास की बाट जोहटे ग्रामीणों को बेहतर जीवन देने के लिये बराबर का भागीदार बनाया एवं समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को प्रथम श्रेणी मे लाये इस व्यवस्था के तहत विकास प्रतिक्रिया को निर्धारित करने का अधिकार पंचायतों और क्रियान्वयन का जिम्मा ग्रामीणवासियों को दिया नेतृत्व करने का अधिकार समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को दिया दिग्विजय सिंह की सरकार ने पंचायत चुनाव की घोषणा थी प्रत्युचरणो का दौर शुरू हुआ था दिग्विजय सिंह अपने फैसलों पर अडिग रहते थे उन्होंने स्वाधीन सत्ता की बढते कदम वापसी नही लिये पंचायत चुनाव से समाज में सदियों से शोषित वर्ग में चेतना का संचार किया अनुसूचितजाति, जनजाति, महिलाओं एवं पिछड़ा वर्ग को निश्चित भागीदारी मिली महिलायें धूंधट से बाहर आई ग्राम पंचायत ही नही कई जिलों में खेतों में काम करने वाली महिलायें और पुरुष समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ साथ जिला सरकार के प्रमुख बने, एवं नगर पालिकाओं में अध्यक्ष के साथ महा नगरों मे महापौर तक बने, एक समय था जब पंचायतों के पद पुष्तेनी होकर रह गये थे पर दिग्विजय सिंह के इस क्रान्तिकारी फैसले से प्रदेश में समतामूलक समाज की स्थापना हूई गांवों की तस्वीरों मे खुशहाली का रंग भरने लगा भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सत्ता के विकेंद्रीयकरण का यह फैसला सबसे चमकीला और महत्वपूर्ण था दिग्विजय सिंह के इस निर्णय को राष्ट्रीय ही नही अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल ने अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रीयों को लिखे पत्र में सुझाव दिये की मध्यप्रदेश में लागू पंचायती राज्य व्यवस्था एक आदर्श व्यवस्था है, जिसको देश के सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों द्वारा की गई प्रशंसा एवं सफलताएं देखकर पार्टी में चल रही प्रतिक्रिया को स्तबध कर दिया आप आपने पहले कार्यकाल में पंचायती राज्य के आलावा प्रदेश के संवार्गीण विकास की दिशा में झुग्गीवासियों के अंधकार को जीवन में रोशनी लाने की एक बत्ती कनेक्शन निःशुल्क दिये गये व 31 मई 1998 तक काबिज जनों को जमीन के पटटे राजीव गांधी आश्रय योजना बनाकर दिये पटटे धारियों को स्वामित्व सौपा, किसनों के जीवन को खुशहाल बनाने रे लिये पाँच हास पावर के विधुत कनेक्शन निशुल्क दिये दिग्विजय सिंह ने पिछड़ा वर्ग को 14प्रतिशत आरक्षण को बढाते हुये 27 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक कदम उठाया ,दलित वर्ग को दलित एजेंडा लागू कर दलित वर्ग का जीवन स्तर सुधारा ,आपने कार्यकाल में भी ग्रामीण जीवन को महत्वपूर्ण समस्याओं अविवाहित नामांतरण और बंटवारे के मामले निपटाने का अधिकार ग्राम पंचायतों को दिया, महिलाओं का सशक्तिकरण किया, जल रोको अभियान की शुरूआत की कृषि नीति आदिवासी विकास परियोजनाओं अल्पसंख्यक उत्थान विकास के अभूतपूर्व निर्णय लिये गये ऐसे है हर दिल अजिज दिग्विजय सिंह।

सवालों का जवाब हमें पता, मगर सच स्वीकार नहीं

अगर अपनी ताकत और सीमा, दोनों की ईमानदार पहचान कर ली जाए तो चुनौतियों के सैलाब को पार करना कतई मुश्किल नहीं, पर संघर्षों का बीड़ा उठाने का कोई साहस भी तो करे! जिंदगी का अर्थ जानने का उत्साह किसी के भीतर देखने को नहीं मिलता, जबकि जिंदगी के अर्क में ही सारी सुखद और खुशनुमा अनुभूतियां छिपी हुई हैं। दरअसल, आज जरूरत यह जानने की नहीं कि जिंदगी ने हमें क्या दिया, बल्कि यह सोचने और समझने की है कि हमने जिंदगी को वास्तव में कैसे सजाया और संवारा है। ऐसे हर एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न पर आज हर आम इंसान लाचार और निरुत्तर-सा हो जाता है।

वक्त का बीतना नियति है और अपने आरंभ के साथ ही यह बदस्तूर जारी है। समय और हालात ने हमारे दिलो-दिमाग का जायका जरूर बदला है, लेकिन हमारे पारंपरिक दृष्टिकोण में कोई परिवर्तन नहीं आ पाया है। हालांकि वैयक्तिक सोच का अवमूल्यन अवश्य हुआ है, बावजूद इसके हम स्वयं में व्याप्त कमियों, खामियों, विसंगतियों और विकृतियों को स्वीकार करने से साफ-साफ कतराते रहे हैं। अब तो सब तरफ ही एक विचित्र सोच का सिलसिला चल पड़ा है। नैतिक और मानवीय मूल्य के कद्रदान तेजी से घटे हैं और पाशविकता और दैत्य प्रवृत्ति अप्रत्याशित रूप से पनपी है। जिंदगी कितनी जटिल हो गई है। मुकम्मल तौर पर कोई भी खुश और संतुष्ट नहीं। हर जगह बस त्राहि-त्राहि और बिगड़ा हुआ कुछ ठीक हो जाने की आस या फिर कुछ पा लेने की होड़। हालांकि न जिद और जुल्म से किसी का बेड़ा पार हुआ है और न ही स्वार्थ से कोई पनपा है। एक अजीब से इतिहास की संरचना में सभी प्रयासरत हैं।

कई बार ऐसा लगता है कि भय की भावना से उबर चुका है मानव मन। मगर क्या यह सचमुच भय से उबरना है? विश्वास, पूजा और आस्था अब कितने मूल रूप में कहां बचा है? क्या यह सच नहीं है कि इन मामलों में हम बेहद औपचारिक हो चले हैं। कसूरवार हम नहीं तो फिर और कौन है? अगर हम किसी और की ओर

अंगुली उठाते हैं तो क्या वह सचमुच ऐसी हैसियत रखता है कि हम पर खुद को हावी कर ले? हमारे सवालों का जवाब शायद हमें पता होता है। मगर सच कब और किसने स्वीकार किया है? फैसला दर्ज है इधर अपने ही भीतर। यह जानकर भी सब अनजान बने हुए हैं। न उठते बवंडर के रुख का पता होता है और न ही स्पर्श और अहसास के संदर्भ ही ज्ञात हैं, लेकिन रास्ते की खोज और उसके बारे में पूछना जारी रहता है। गौर से देखें तो रास्ते सैकड़ों हैं, पर साथ ही अंधेरी तंग गलियों से गुजरना भी एक मजबूरी है। विचित्र है कि भोगवादी संस्कृति हर जुल्म सहने को तैयार है। अंजाम चाहे जो भी हो, मन को मर्जी से और भावनाओं को यथार्थ तले दबना ही होगा। तैयार होती पृष्ठभूमि में बोध का महत्त्व कुछ ज्यादा ही है। अब परिभाषा में बंधने की कतई जरूरत नहीं। एक खुली किताब हमारे सामने है। इतिहास के पन्नों में सिमटती जिंदगी के हाशिये पर हमारी अच्छी-बुरी हर एक पहचान मौजूद है, जिसे स्वीकारने और नकारने की हिम्मत और क्षमता किसी में भी नहीं।

अब बस समर्पण ही एकमात्र रास्ता लगता है और जो समर्पित होगा, उद्धार भी उसी का होगा। आज खोज उसकी है, जो वेदना में विलीन होती संवेदना की मजबूरी भी समझे। हम क्या चाहते हैं, यह खुद हमें ही ज्ञात नहीं। यह स्थिति कैसे और कहां से आई? इसमें बह जाने में हमारी कितनी भूमिका है? क्या कुछ ऐसा भी है जो सुचिंतित तरीके से हमारे सामने परोसा गया और हम उसके शिकार होते चले गए? मगर तब सवाल उठता है कि हमारी संवेदना के साथ हमारे विवेक का तालमेल कितना रहा!

दरअसल, स्नेह और सहानुभूति के लिए निरंतर तरसते इंसान के भीतर जिज्ञासाएं भी अनंत हैं। सभी हैरान और हतप्रभ दिखते हैं। पाखंडवाद और परंपरागत रूप से प्रगति पर दिख रहे हैं। मानदंडों की आधारशिला भी रखी जा चुकी लगती है। वक्त से उसकी ताकत पूछने की भूल और हिमाकत कभी नहीं करनी चाहिए। वह शुरू से लेकर अब तक हर मौके पर साबित हुआ है कि वक्त क्या है और कितनी ताकत रखता है। सिद्धांतों और आदर्शों की बातें करते हुए अब सांस्कृतिक धरोहर पर इतराना भी छोड़ देना चाहिए। मगर अपने आप से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। खुद को ठीक रखा जा सका तब अगर बहुतों को नहीं तो कुछ को जरूर संभाला जा सकेगा। युग बदलने के साथ इतिहास भी बदला है। जमीन के यथार्थ को मीनार की ऊंचाइयों से मापने की आदत से हम बाज आ जाएं तभी अच्छा है। अक्षम्य कारस्तानियों के नीचे इंसानियत और मानवता का हर सुखद लम्हा दफन है। जिंदगी की उस रेखांकित इबारत पर नजर डाली जा सकती है, जो मुकम्मल मंजिल तलाशने के प्राथमिक प्रयास करती है। मगर यह असंभव है, क्योंकि आज हम अवसाद के दुर्गम दौर से गुजर रहे हैं और यह एक चुनौती भरी जटिल प्रक्रिया है। इंसान को इंसान से जोड़ने की बात पर जाने की जरूरत शायद बाद में पड़े, पहले अपने ही भीतर तहकीकात कर एक लंबा सफर तय करने की जरूरत है। सात्विकता की खोज में निरंतर भटक रहा हमारा थका-हारा और टूटा मन अब ठहराव चाहता है।

अगर अपनी ताकत और सीमा, दोनों की ईमानदार पहचान कर ली जाए तो चुनौतियों के सैलाब को पार करना कतई मुश्किल नहीं, पर संघर्षों का बीड़ा उठाने का कोई साहस भी तो करे! जिंदगी का अर्थ जानने का उत्साह किसी के भीतर देखने को नहीं मिलता, जबकि जिंदगी के अर्क में ही सारी सुखद और खुशनुमा अनुभूतियां छिपी हुई हैं। दरअसल, आज जरूरत यह जानने की नहीं कि जिंदगी ने हमें क्या दिया, बल्कि यह सोचने और समझने की है कि हमने जिंदगी को वास्तव में कैसे सजाया और संवारा है। ऐसे हर एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न पर आज हर आम इंसान लाचार और निरुत्तर-सा हो जाता है।

विजय शेखर शर्मा के इस्तीफे के बाद पेटीएम के शेयर गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा के सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बोर्ड से इस्तीफा देने के बाद मंगलवार को इसका असर पेटीएम के शेयरों पर देखने को मिल रहा है। आज पेटीएम के शेयर 3 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ खुले, लेकिन खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर 5 प्रतिशत उछल गए। सुबह पौने 11 बजे के करीब यह दो फीसद ऊपर 436.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

पिछले छह महीने में पेटीएम के शेयर 50 फीसद से अधिक टूट चुका है। इस साल अब तक 31 फीसद और एक महीने में 41 फीसद से अधिक लुढ़का है। हालांकि पिछले 5 दिनों में इसमें करीब 12 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इसका 52 हफ्ते का हाई 998.30 और लो 318.05 रुपये है।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक बोर्ड से अपना नामांकन वापस ले लिया है और विजय शेखर शर्मा ने बोर्ड के रिस्ट्रक्चरिंग को सक्षम करने के लिए पार्ट टाइम नॉन-एग्ज्यूटिव चेयरमैन और बोर्ड सदस्य के रूप में इस्तीफा दे दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) को 15 मार्च के बाद ग्राहकों से कोई भी नई जमा राशि या टॉप अप स्वीकार करने से रोक दिया है।

अंडरपरफॉर्म रेटिंग बरकरार

उम्मीद नहीं है कि आरबीआई किसी भी यहां पेटीएम और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बीच पार्टी ट्रांजैक्शन से संबंधित को अधिकृत करेगा। ब्रोक्रेज फर्म मैक्वेरी ने कहा, अगर पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ऑपरेट करने की अनुमति दी जाती है, तो यह पेटीएम के लिए प्रॉफिटेबिलिटी में ग्रोथ देगा। फर्म ने 275 प्रति शेयर के टार्गेट प्राइस के साथ पेटीएम पर अंडरपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड यानी पीपीबीएल के नवगठित बोर्ड में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवासन श्रीधर, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी देबेंद्रनाथ सारंगी, बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व कार्यकारी निदेशक अशोक कुमार गर्ग और रिटायर्ड आईएएस रजनी सेखरी सिब्बल शामिल हैं। इसके अलावा बोर्ड में पंजाब एंड सिंध बैंक के पूर्व कार्यकारी निदेशक अरविंद कुमार जैन स्वतंत्र निदेशक और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ सुरिंदर चावला हैं। ये सभी हाल ही में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए हैं।

इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया पेटीएम यूपीआई ऐप के संचालन के लिए वन 97 कम्युनिकेशन द्वारा यूपीआई चैनल के लिए थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर बनने के अनुरोध की जांच कर रहा है। यदि मंजूरी मिल जाती है तो यह पेटीएम को यूपीआई के माध्यम से पेमेंट जारी रखने की अनुमति देगा, लेकिन ऐप को सपोर्ट देने के लिए नए बैंकों के एक समूह की आवश्यकता होगी।

संक्षिप्त समाचार

बीबीए–बीसीए कोर्स की मान्यता के लिए आगे बढ़ाई तारीख

इंदौर। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के पोर्टल का सर्वर डाउन होने से कॉलेजों की दिक्कतें बढ़ गई। ये संस्थान बीबीए-बीसीए पाठ्यक्रम की मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए, जिसमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले 86 से ज्यादा कॉलेजों भी परेशान हो रही है। शिकायत मिलने के बाद एआइसीटीई ने आवेदन की प्रक्रिया को कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ा दी। अब कालेज 7 मार्च तक आवेदन कर सकेंगे।कुछ महीनों पहले विश्वविद्यालय ने कॉलेजों की संबद्धता को लेकर नियम संशोधित कर दिए थे, जिसमें बीबीए-बीसीए की एआइसीटीई से मान्यता के बाद कॉलेजों को पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए संबद्धता जारी की जाएगी। बगैर मान्यता प्राप्त कॉलेज में बीबीए-बीसीए का शून्य ईयर घोषित किया जाए। इसके बाद कॉलेजों ने आवेदन करना शुरू कर दिया।30 फीसद कालेजों ने जनवरी में प्रक्रिया पूरी कर ली, लेकिन 60 से ज्यादा कॉलेजों ने फरवरी पहले सप्ताह से आवेदन करना शुरू किया। पर पोर्टल काम नहीं रहा था। इसके बारे में कॉलेजों ने एआईसीटीई को बताया गया। कुछ प्राचार्यों का कहना था कि लगातार आठ दिनों तक से आवेदन की प्रक्रिया करने में लगे है, लेकिन फार्म सबमिट नहीं हो रहा है। यहां तक कि आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड नहीं कर पाए। 20 फरवरी तक आवेदन करने का समय था। अधिकारियों के मुताबिक, बीबीए और बीसीए कार्यक्रमों की पेशकश करने वाले 86 कॉलेजों में से केवल कुछ मुट्ठीभर ही आवेदन कर पाए। वैसे विश्वविद्यालय बीबीए और बीसीए डिग्री प्रदान करने वाले संस्थानों को 2024-25 से एआइसीटीई की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रवेश प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क में बदलाव किया जाएगा, लेकिन एआइसीटीई ने माडल पाठ्यक्रम विकसित करने और परीक्षा पैटर्न को भी नया स्वरूप देने की योजना बनाई है।

पहले केवल एमसीए और एमबीए पाठ्यक्रमों के लिए ही एआइसीटीई की मंजूरी की आवश्यकता होती थी। एआइसीटीई ने यूजी कार्यक्रमों के लिए नए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें विकसित करने की योजना बनाई है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जनरेटिव अल जैसे उभरते क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

10 हजार उत्तर पुस्तिका भी नहीं जांच पाए मूल्यांकनकर्ता

इंदौर। 10वीं व 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं इस बार एक महीना पहले कराई जा रही है । पहले चरण की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू हुए 5 दिन का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक तकरीबन 10000 उत्तर पुस्तिकाएं ही मुश्किल जांच पाए हैं। मूल्यांकन केंद्र प्रभारी शिक्षकों के इस रवैये से नाराज है। ड्यूटी पर नहीं आने वाले शिक्षकों को आज नोटिस जारी किए जाएंगे। वेतन काटने की तैयारी विभाग की ओर से चर्चाओं में है। मोती तबेला स्थित मालव कन्या उमावि को जिले का मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। 19 फरवरी से महीना खत्म होने तक 90,000 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले चरण में किया जाना है। इसके लिए तकरीबन 800 शिक्षकों की अलग-अलग चरणों में ड्यूटी उत्तर पुस्तिकाओं के जांचने के लिए लगाई गई है। अभी परीक्षाओं का दौर जारी है। इसलिए पूरी क्षमता से शिक्षक मूल्यांकन केंद्र पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। 120 ऐसे शिक्षक हैं जिनकी ड्यूटी फिलहाल मूल्यांकन के लिए आरक्षित है वह अपना दायित्व नहीं निभा पा रहे हैं अभी सिर्फ 75 शिक्षक की मूल्यांकन केंद्र पर पहुंच रहे हैं जिसके कारण उत्तर पुस्तिकाओं के जाचने का काम काफी धीमा चल रहा है मूल्यांकन की जानकारी भोपाल भी मंडल को भी भेजना होती है। आला अधिकारियों के नाराज होने से मूल्यांकन केंद्र प्रभारी आज शिक्षकों को नोटिस जारी करने की तैयारी में है वहीं विभागीय चर्चा तो यह भी है कि संतुष्ट पूर्ण जवाब नहीं आने पर एक या दो दिन का वेतन काटने का निर्णय भी लिया जा सकता है।

बोर्ड परीक्षाओं के बाद 9 वीं और 11वीं की परीक्षाओं की तैयारी भी स्थानीय स्तर पर स्कूलों में कराई जा रही है लोकल परीक्षाओं की तैयारी में स्कूल और शिक्षकों को मशक्कत करना पड़ रही है, ऐसे में मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचने में ज्यादातर शिक्षक अपने आप को असमर्थ जता रहे हैं शिक्षकों का कहना है की परीक्षाओं के बाद मूल्यांकन व्यवस्थाएं होनी चाहिए थी।

Sebi asks small, mid-cap funds to disclose more information about risks

India's market regulator has asked the country's asset managers to give investors more information about the risks associated with their small and mid-cap funds, according to a fund manager and two people with knowledge of the matter. Small and mid-sized funds have seen high inflows, causing concern among authorities about how they would hold up in the event of a sharp market selloff. The Securities & E&change Board of India (SEBI) has also been reviewing stress tests conducted by such funds, sources have previously said. The funds are being asked to disclose how long it might take to accommodate large redemptions, what impact large outflows could have on the value of the portfolio and how much cash and liquid assets the fund holds to meet outflows, the people said. "Investment committees were always aware of liquidity challenges but investors were not. Once this information is available to them, they can compare each fund," said Harsha Upadhyaya, chief investment officer at Kotak Mutual Fund.

The Association of Mutual Funds in India (AMFI), which is working with SEBI, is proposing a standardised format for the disclosure of risks, he said, adding that the disclosures would be made on a regular basis. SEBI and AMFI did not immediately respond to requests for comment. Heavy inflows have sent the Nifty small cap wz® inde& surging |v% over the past zw weeks and lifted the Nifty mid cap v®® inde& {y%. That far e&ceeds the benchmark Nifty's w}% rise. Funds are likely to begin making these disclosures from April, said one of the sources who was not authorised to speak to media and declined to be identified. Mutual funds tend to keep between v% and z% of their assets as cash as a prudent measure to meet outflows, according to public documents. There is, however, no minimum regulatory requirement. Funds need to invest at least {z% of their assets in small-cap stocks to be categorised as a small-cap fund and the remaining xz% can either be in cash or invested in large-cap stocks. The rule is similar for mid-cap funds. "In some cases, the funds do not have enough cash. While in others, funds are fully invested in small/midcap stocks with no prudent investments in large-cap stocks," said the second source. In India, small-cap stocks are defined as those with market caps of less than z® billion rupees while mid-cap stocks are those with market values of between z® billion and w®® billion rupees. Kotak, which manages a vyy billion rupee ($v.| billion) small-cap fund, has put temporary restrictions on inflows, saying that "momentum chasing" is "over-shadowing the caution required". Last year, Tata Mutual Fund and Nippon India Mutual Fund stopped accepting lump-sum investments in their small-cap funds.

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को एसजेवीएन से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नईदिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। जेएसडब्ल्यू ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस परियोजना को इसकी अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) द्वारा 1,500 मेगावाट (अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र) आईएसटीएस-संबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए आमंत्रित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में हासिल किया गया है।

कंपनी ने कहा कि एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट क्षमता के अधिकार पत्र (एलओए) के बाद, कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 11.0 गीगावाट (जीडब्ल्यू) हो गई, जिसमें 1.4 गीगावाट सौर क्षमता है। परियोजना को बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की प्रभावी तिथि से 24 महीने के भीतर पूर्ण अनुबंधित क्षमता की बिजली की आपूर्ति करनी होगी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि इसकी कुल उत्पादन क्षमता 11.0 गीगावाट है, जिसमें परिचालन में 7.2 गीगावाट, पवन, तापीय और पनबिजली में निर्माणाधीन 2.6 गीगावाट और एसईसीआई (किस्त - 16) और एसजेवीएन से 1.2 गीगावाट क्षमता के लिए एलओएएस शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी के पास बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हाइड्रो-पंप भंडारण परियोजना के माध्यम से 3.4 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता है। कंपनी को 2024 के अंत तक 9.8 गीगावाट परिचालन उत्पादन क्षमता होने की उम्मीद है। कंपनी की वर्तमान परिचालन क्षमता 7.2 गीगावाट है।

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार कार्य जारी रहेंगे, वित्त मंत्री सीतारमण ने किया आश्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भारतीय उद्योग जगत से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ खुद को तैयार करने का आह्वान किया। फिक्की की ओर से आयोजित विकसित भारत 2047 विकसित भारत व उद्योग सत्र को संबोधित करते हुए मंत्री ने उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार जारी रहेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फिक्की के कार्यक्रम में कहा कि कोई भी देश डिजिटल इंफ्रा के बिना विकास का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हम डेवलपमेंट गोल के साथ आगे बढ़ेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार,द्ध के क्षेत्र में इनोवेशन और निवेश को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार स्पेस सेक्टर में भी निवेश को बढ़ावा देगी। अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनावों के बाद नई सरकार का गठन होगा और भाजपा को विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेंगे।

सीतारमण ने कहा कि भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान सरकार की ओर से कई सुधार किए गए हैं और यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगली मोदी सरकार द्वारा किए जाने वाले सुधारों में उत्पादन के कारकों पर ध्यान दिया जाएगा।

यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में 5-7 प्रतिशत रहेगी: क्रिसिल

मुंबई एजेंसी। यात्री वाहन (पीवी) क्षेत्र में अगले वित्त वर्ष में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की अगुवाई में यात्री वाहन क्षेत्र लगातार तीसरी बार नया शिखर छूएगा। एजेंसी ने कहा कि इसे चालू वित्त वर्ष में कारों और निर्यात की मांग सुस्त बनी रहने के बावजूद छह से आठ प्रतिशत की अनुमानित दर से बढ़त मिल सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोक्ता प्राथमिकता में एक महत्वपूर्ण बदलाव ने एसयूवी की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे इस वित्त वर्ष में इसकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर कुल घरेलू मात्रा का लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2018-19 में कोविड-19 महामारी से पहले एसयूवी खंड की घरेलू बाजार हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत थी। एजेंसी ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में वाहनों की लागत में वृद्धि हुई है क्योंकि विनिर्माता प्रीमियम वाहनों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और उन्हें सुरक्षा और उत्सर्जन पर अधिक कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है। निर्यात के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है।

यात्री वाहन निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष में धीमी होकर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यह मुख्य रूप से पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मुद्रास्फीति और प्रमुख निर्यात बाजारों लातिनी अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में विदेशी मुद्रा की सीमित उपलब्धता के कारण है। अगले वित्त वर्ष में भी यही रुझान रहने की संभावना है।

1 साल में पैसा डबल, कंपनी को रेलवे ने दिया 396 करोड़ रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। पॉवर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार सुबह 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 5398 रुपये इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। पॉवर मेक के शेयरों में आई तेजी के पीछे की वजह रेलवे से मिला काम है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें 396.25 करोड़ रुपये का काम इंडियन रेलवे की तरफ से मिला है।

कंपनी को यह काम साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे की तरफ से मिला है। कंपनी को छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक रेलवे लाइन के लिए जरूरी कंस्ट्रक्शन करना है। कंपनी को यह ऑर्डर 30 महीनों में पूरा करना होगा।

पिछले एक महीने के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 159 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो गया है। हालांकि, पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में पहले की तरह तेजी देखने को नहीं मिली।

बीता 6 महीना कैसा रहा निवेशकों के लिए – इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में महज 33 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स को अबतक 4 प्रतिशत का फायदा हुआ है। कंपनी का 52 वीक हाई 5544 रुपये का है। वहीं, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 2006.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 8320.22 करोड़ रुपये का है।

2022-23 में देश की गरीबी दर घटकर 4.5-5 प्रतिशत पर पहुंची, एसबीआई रिसर्च में दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। एसबीआई के अनुसंधानकर्ताओं ने मंगलवार को बताया कि 2022-23 में भारत की गरीबी दर घटकर 4.5-5 प्रतिशत हो गई। नए घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण गरीबी 2011-12 की 25.7 प्रतिशत से घटकर 7.2 प्रतिशत हो गई और शहरी गरीबी एक दशक पहले की अवधि से घटकर 4.6 प्रतिशत हो गई।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवश्यक नई गरीबी रेखा या उपभोग का मूल स्तर 1,622 रुपये और शहरी क्षेत्रों के लिए 1,929 रुपये था।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, ग्रामीण गरीबी में 2018-19 के बाद से 440 आधार अंकों की गिरावट आई है और शहरी गरीबी में महामारी के बाद 170 आधार अंकों की गिरावट आई है। यह इंगित करता है कि पिरामिड के निचले पायदान पर मौजूद लोगों के लिए वर्तमान में कई सरकारी कार्यक्रमों का ग्रामीण आजीविका पर महत्वपूर्ण लाभकारी प्रभाव पड़ रहा है।

विश्व बैंक के एक पेपर के अनुसार, भारत की गरीबी दर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 11.6 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों के लिए 6.3 प्रतिशत तक गिर गई है।

79 रुपये का शेयर पहले ही दिन 110 रुपये पर पहुंचा, तगड़े फायदे के बाद लुढ़क गए शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी जेनिथ ड्रग्स की शेयर बाजार में अच्छी शुरुआत हुई है। जेनिथ ड्रग्स के शेयर 39 पर्सेंट के फायदे के साथ 110 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में जेनिथ ड्रग्स के शेयर 79 रुपये पर निवेशकों को अलॉट हुए थे। जेनिथ ड्रग्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 19 फरवरी 2024 को खुला था और यह 22 फरवरी तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 40.68 करोड़ रुपये का है।

तगड़ी लिस्टिंग के बाद लुढ़के कंपनी के शेयर– बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग के बाद जेनिथ ड्रग्स के शेयर लुढ़क गए हैं। जेनिथ ड्रग्स के शेयर 5 पर्सेंट की गिरावट के साथ 104.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने दिन के कारोबार के दौरान 114.50 रुपये के हाई लेवल को भी छुआ है। जेनिथ ड्रग्स के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 126400 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्स्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं।

179 गुना सब्सक्राइब हुआ कंपनी का आईपीओ– जेनिथ ड्रग्स का आईपीओ टोटल 179.18 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 139.28 गुना दांव लगा है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 368.77 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जेनिथ ड्रग्स के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 106.72 गुना सब्सक्राइब हुआ है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि अब 69.98 पर्सेंट रह गई है। जेनिथ ड्रग्स की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। फार्मास्युटिकल कंपनी हाई क्वॉलिटी, अफॉर्डेबल मेडिसिन्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है।

छतरी की तरह दिखता है दुनिया का सबसे महंगा पेड़

दुनिया भर में एक से बढ़कर एक और अनोखी चीजें मौजूद हैं, जो हमेशा से ही लोगों को अपनी और आकर्षित करती आई है। कई चीज ऐसी है जो अपनी खासियत की वजह से लोगों को हैरान भी कर देती है। लोगों को अपने घर में पौधे लगाना अक्सर ही पसंद आता है और इनकी सामान्य कीमत 50 से 100 रुपए तक की होती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बता रहे हैं, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए में है।

जाहिर सी बात है करोड़ों रुपए के पौधे के बारे में सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा। लेकिन यह कोई मजाक या सोचने वाली बात नहीं है बल्कि वाकई में सच है। आज हम आपको बताते हैं कि दुनिया का ये सबसे महंगा पेड़ कहां पाया जाता है, कैसा है और इसकी कीमत कितनी है।

जापान में है सबसे महंगा पेड़

दुनिया का सबसे कीमती पेड़ पाइन बोनसाई है, जो जापान में पाया जाता है। 2011 में हुए एक इंटरनेशनल इवेंट में इस पेड़ को 1.3 मिलियन डॉलर में बेचा गया था। भारतीय रुपयों में यह कीमत 10 करोड़ के बराबर होती है। इसकी खासियतें इसे दुनिया का सबसे कीमती पेड़ बनाती है।

800 साल का है पेड़

यह पेड़ मियाजिमा बौने देवदार पेड़ की प्रजाति का है, जिसकी लंबाई बहुत कम होती है। ऊंची पत्तियों वाले इस पेड़ का तना काफी मजबूत और घुमावदार होता है। बताया जाता है कि इसकी आयु 800 साल तक की होती है और यह देखने में काफी सुंदर लगता है।

पेड़ की खासियत

इस शानदार से शेप वाले जापानी सफेद पाइन बोनसाई की विशेषताओं की बात करें तो यह बहुत ही अद्भुत है। जंगलों के पेड़ों की तरह इसमें तिरछा तना और मुड़ी हुई छाल दिखाई पड़ती है। यह शेप में किसी छतरी की तरह दिखाई देता है और इसकी लंबाई सिर्फ 1 मीटर है। इन सब के बावजूद भी यह सबसे कीमती पेड़ है।

भारत का एक रेलवे स्टेशन जहां नहीं मिलती बिना पासपोर्ट और वीजा के एंट्री

पासपोर्ट में आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि नाम, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, आदि शामिल होता है। जिसके बगैर किसी भी देश में एंट्री नहीं हो सकती है। ये तो हो गई विदेशों की बात लेकिन ऐसी एक जगह हमारे भारत में भी है, जहां बिना पासपोर्ट और वीजा के एंट्री नहीं मिलती है। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने तो चलिए आज हम आपको उस स्टेशन से रूबरू करवाते हैं, जहां पर बिना पासपोर्ट और वीजा के आपको एंट्री नहीं मिल सकती है।

अपने देश से बाहर जाने यानि विदेश जाने के लिए वीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता होती है। बता दें कि वीजा एक अधिकार होता है जिसके तहत आपको दिए गए समय तक उस देश में रहने की अनुमति देता है जबकि पासपोर्ट आपकी पहचान को सत्यापित करता है और आपको अन्य देशों में प्रवेश करने की अनुमति देता है। पासपोर्ट में आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि नाम, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, आदि शामिल होता है। जिसके बगैर किसी भी देश में एंट्री नहीं हो सकती है। ये तो हो गई विदेशों की बात लेकिन ऐसी एक जगह हमारे भारत में भी है, जहां बिना पासपोर्ट और वीजा के एंट्री नहीं मिलती है। केवल इतना ही नहीं, नियमों का पालन नहीं करने पर आपको सजा भी हो सकती है।

इस स्टेशन पर जरुरी है ये दस्तावेज

दरअसल, हम बात कर रहे हैं पंजाब राज्य में स्थित अटारी रेलवे स्टेशन की जो कि अमृतसर जिले में है। यहां से पाकिस्तान के लिए ट्रेन चलती है। यह भारत का एक मात्र ऐसा रेलवे स्टेशन हैं, जहां पासपोर्ट और वीजा दोनों की आवश्यकता है ताकि आप वहां के अंतरराष्ट्रीय इलाके में यात्रा कर सकें। यहां बहुत कड़ी सिक्योरिटी रहती है ताकि कोई भी चूक ना हो।

बिना डॉक्यूमेंट्स हो सकती है सजा

अटारी रेलवे स्टेशन पर बिना वीजा और पासपोर्ट के पकड़े जाने पर 14 फॉरेन एक्ट का प्रावधान होता है। बता दें कि यह कानून बिना आवश्यक डॉक्यूमेंट्स के अंतरराष्ट्रीय इलाके में पकड़े जाने पर केस दर्ज किया जा सकता है। जिसके बाद जमानत लेने के लिए कई साल लग जाते हैं।

इन ट्रेनों का होता है संचालन

दिल्ली और अमृतसर से पाकिस्तान के लाहौर जाने वाली रेलगाड़ियां अटारी स्टेशन से ही गुजरती हैं। यह यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच समय-समय नागरिकों के लिए चलाई जाती है। जिनमें से समझौता एक्सप्रेस भी एक है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध बिगड़े हैं। जिसके कारण फिलहाल इस ट्रेन का संचालन बंद है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बता दें कि अटारी रेलवे स्टेशन पर कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। इसके अलावा, यहां खुफिया एजेंसी की नजर 24 घंटे रहती है। यहां तक कि यहां कुली का भी रहना मना है। इसलिए आपको यहां अपना सामान भी खुद उठाना पड़ेगा। बॉर्डर इलाके पर स्थित इस स्टेशन की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम हैं ताकि कोई अनहोनी ना हो। अटारी रेलवे स्टेशन से किसी कारणवश ट्रेन लेट हो जाती है, तो भारत और पाकिस्तान दोनों के रजिस्टर में एंट्री होती है।

ग्रीनलैंड में नहीं है कोई रेल नेटवर्क, हेलीकॉप्टर और नाव से यात्रा करते हैं लोग

ग्रीनलैंड भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका में स्थित है। जिसका नियंत्रण डेनमार्क के पास है। ग्रीनलैंड का स्वतंत्र गणराज्य होने के बावजूद डेनमार्क द्वारा कुछ क्षेत्रों में प्रशासन और सुरक्षा उपायों का नियंत्रण बनाए रखा गया है। बता दें कि ग्रीनलैंड का क्षेत्रफल बहुत बड़ा है और यह दुनिया का 12वां सबसे बड़ा देश है। इसका प्रमुख भूखण्ड बर्फ से ढका रहता है। ग्रीनलैंड की यात्रा बहुत अनोखी होती है। यहां पहुंचने के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध नहीं है। बता दें कि यात्री आमतौर पर डेनमार्क या आइसलैंड के माध्यम से ग्रीनलैंड जाते हैं और वहां पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर, नाव, प्लेन या डॉग स्लेज का सहारा लेते हैं, जिससे प्राकृतिक सौन्दर्य का अनुभव होता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ग्रीनलैंड में सड़क और रेल नेटवर्क भी नहीं है।

रात में भी दिखता है सूरज

ग्रीनलैंड के उत्तरी क्षेत्रों में गर्मी के दिनों में सूरज पूरी तरह से डूबता नहीं है और आप रात को भी सूरज देख सकते हैं। इस घटना को मिडनाइट सन या मिडनाइट सनशाइन कहा जाता है। यहां आप अगस्त के महीने में जाएं। इस दौरान आपको यहां बर्फ से ढकी ग्रीनलैंड सूरज के नीचे बेहद सुंदर नजर आएगी। इसके अलावा, यहां पर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जिसका नाम "Northeast Greenland National Park" है जो कि साल 1974 में स्थापित किया गया था।

इस कारण पिघलता है ग्लेशियर

बता दें कि ग्रीनलैंड के केंद्र में बर्फ की चादर की मोटाई 3 किलोमीटर तक पहुंच जाती है, जिसके कारण ग्लेशियर पिघलता है। अनुमानों के अनुसार, ग्लेशियर के पिघलने का असर महासागरों में देखने को मिलता है। इससे विश्व महासागर का स्तर 6 से 7 मीटर तक भी पहुंच जाता है। दरअसल, ग्रीनलैंड की जलवायु बहुत ठंडी होती है, जिससे बर्फ का जमाव बड़े हिस्सों में होता है।

इस गांव में शादी के बाद पहली पूजा श्मशान घाट में करता है नवविवाहित जोड़ा

अब तक आपने सुना होगा कि शादी के बाद नवविवाहित जोड़ा अपने घर परिवार की कुलदेवी या देवता के मंदिर में जाकर पहली पूजा परंपरा अनुसार करते हैं। लेकिन क्या आपने एक ऐसे गांव के बारे में सुना है जहां शादी के बाद नवविवाहित जोड़ा पहले देवी देवता के मंदिर नहीं बल्कि श्मशान घाट में पहली पूजा करता है? नहीं सुना होगा। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जो राजस्थान में स्थित है। इस गांव में अनोखी परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस गांव में शादी करने वाले हर नवविवाहित जोड़े को शादी के बाद पहली पूजा करने के लिए श्मशान घाट में जाना पड़ता है। आखिर ऐसा क्यों किया जाता है चलिए चलते हैं

कहां है यह गांव

हम जिस गांव की बात कर रहे हैं वह राजस्थान के जैसलमेर से करीब 6 किलोमीटर दूर स्थित है। गांव का नाम बड़ा बाग गांव है। अनोखी परंपरा सदियों से चली आ रही है। दरअसल इस गांव में शादी करके आने वाला हर नवविवाहित जोड़ा ग्रह प्रवेश के बाद पहली पूजा श्मशान घाट में जाकर करता है। वह श्मशान घाट कोई आम नहीं बल्कि बेहद खास है। वह राजा परिवार का खानदानी श्मशान घाट माना जाता है। श्मशान घाट में 103 राजा और रानियों की याद में छतरियां बनाई गई है। जबकि वास्तुकला बेहद आकर्षक है। खास बात यह है कि सर पर नवविवाहित जोड़ा ही नहीं बल्कि हर शुभ कार्य से पहले श्मशान घाट में लोग पहली पूजा करने जाते हैं। यह बेहद ही अजीब परंपरा है आप भी इसे सुनकर हैरान रह गए होंगे।

क्यों की जाती है पूजा?

आपको बता दे, जैसलमेर के इस अनोखे गांव में शादी कर आने वाला हर नवविवाहित जोड़ा पहले इस श्मशान घाट में जाकर राजा-रानियों की समाधियों पर पूजा करता है। यहां 103 राजा और रानियों की याद में छतरियां बनाई गई है। सदियों से इस गांव में परंपरा चली आ रही है। शादी के बाद पूर्णिमा के दिन पूजा की जाती है।

अपने नये जीवन की शुरुआत में दिवंगत राजा-रानियों का आशीर्वाद लेने से जीवन सुखद होता है। हालांकि यहां जाने से लोग डरते भी है। रात के वक्त यहां से कोई भी नहीं गुजरना चाहता है। लोगों को यहां अक्सर घुड़सवारों के घोड़ों की टाप और हुक्का की गुड़गुड़ाहट सुनाई देती है। इस वजह से लोग यहां नहीं जाना पसंद करते हैं।

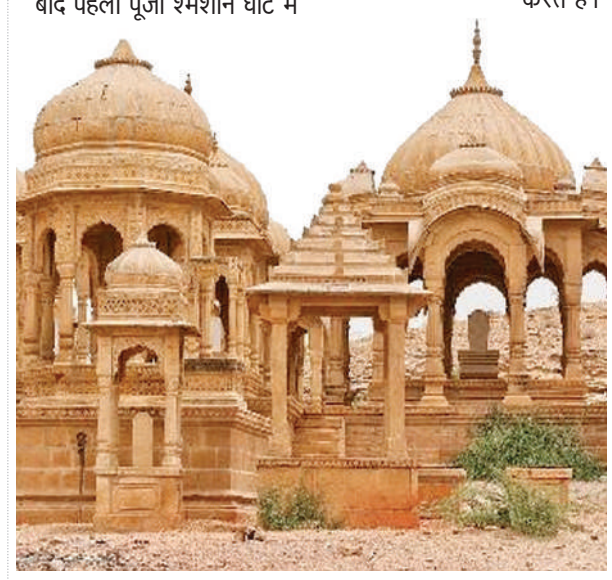

92 लोगों को लेकर उड़ा विमान अचानक हो गया था गायब

35 साल बाद अचानक जमीन पर आया

जर्मनी में 92 लोगों को लेकर उड़ा एक विमान गायब हो जाता है और 35 साल बाद अचानक ब्राजील की जमीन पर उतरता है। दुनियाभर के अखबार इस खबर को छापते हैं, लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आखिर 35 सालों से ये विमान कहां था? टाइम ट्रैवल पर यकीन करने वाले तो ये तक दावा कर देते हैं कि ये विमान समय के परे चला गया था, इस दौरान धरती पर 35 साल गुजर गए। लेकिन ये खबर सरासर गलत है। आज हम आपको बता रहे हैं भुतहा कही जाने वाली सेंटिगो की फ्लाइट 513 की कहानी।

दुनिया में ऐसी कई कहानियां और रहस्य हैं जिनपर लोगों की दो राय हैं. कोई इन्हें महज अफवाहें बताता है तो कोई इनके संबंध में सामने आने वाली रिपोर्ट्स पर विश्वास करता है. ऐसी ही एक अनसुलझी पहेली है सैंटियागो फ्लाइट 513 की. इस फ्लाइट की कहानी 1954 से टेकऑफ करती है और 1989 में लैंड करती हैं लेकिन लैंडिंग के बाद भी आज तक इस उड़ान की कहानी सभी के लिए आश्चर्य का केंद्र बनी हुई है. 1989 में टैबलॉयड वीकली वर्ल्ड न्यूज द्वारा प्रकाशित एक लेख के अनुसार सैंटियागो एयरलाइंस की उड़ान 513 ने 14 सितंबर 1954 को पश्चिम जर्मनी के आचेन से उड़ान भरी थी. इस फ्लाइट को 18 घंटे बाद ब्राजील के पोर्टो एलेग्रे में उतरना था लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद ये उड़ान खोजकर्ताओं के लिए पहेली बन गई.

विमान की खोज शुरू और बंद हुई

ये विमान अटलांटिक महासागर के ऊपर से उड़ान के दौरान गायब हो गया. लापता होने के समय अधिकारियों का मानना था कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इसके बाद शुरू हुई सैंटियागो फ्लाइट 513 की खोज. कुछ दिनों के बाद खोजकर्ताओं के एक दल का गठन किया गया लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा, न ही विमान का मलबा और न यात्रियों के अवशेष. उड़ान भले ही अनजान कारणों से रुक गई हो लेकिन समय नहीं रुका. विमान के लापता होने के दो साल बाद 1956 में सैंटियागो एयरलाइंस बंद हो गई और बाजार से बाहर चली गई. धीरे-धीरे दशकों बीतते चले गए. लंबे समय तक खोजकर्ताओं को कोई सफलता या सबूत हासिल नहीं हुआ और आखिरकार सर्च ऑपरेशन को भी बंद कर दिया गया.

35 साल बाद हुई लैंडिंग

फ्लाइट को गायब हुए 35 साल बीत चुके थे. लोग धीरे-धीरे उस हादसे को भूलने भी लगे थे लेकिन उड़ान भरने वाले विमान को अभी नीचे आना बाकी था. साढ़े तीन दशक बाद 12 अक्टूबर 1989 को ब्राजील मे पोर्टो एलेग्रे हवाई अड्डे पर एयरबेस के पास एक अनजान विमान दिखाई पड़ा. एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स ने पायलट से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. देखते ही देखते विमान रनवे के करीब आता जा रहा था और आखिर उस फ्लाइट ने लैंड किया. विमान एक दम नई हालत में था, उसका इंजन लैंडिंग के बाद भी बंद नहीं हुआ. एक अनजान विमान बिना अधिकारियों की अनुमति के एयरपोर्ट पर उतर चुका था. सभी हैरान थे. एयरपोर्ट अधिकारी सावधानीपूर्वक प्लेन के पास गए और उसका बाहर से दरवाजा खोला. अधिकारियों ने जो देखा उसने उनकी हड्डियों को भीतर तक ठंडा कर दिया. इन बातों में कितनी सच्चाई है, ये कोई नहीं जानता. हम इन बातों की पुष्टि नहीं करते.

विमान के अंदर भरे थे कंकाल

जब सिक्युरटी टीम विमान के अंदर पहुंची तो सभी कांप गए। पूरे विमान के अंदर कंकाल भरे हुए थे। हर कंकाल अपनी सीट पर था। यहां तक विमान के कप्तान मिगुल विक्टर क्यूरी का कंकाल पायलेट कंट्रोल्स को पकड़े हुआ था और विमान का इंजन चालू था। दहशत में सिक्युरिटी स्टाफ विमान से उतर गया और ब्राजील सरकार को इसकी जानकारी दी।

क्या है इस कहानी का सच

आपको बता दें कि जर्मनी के अखबार में छपी ये खबर सरासर गलत है। ये फर्जी खबर ईरविन फिशर नाम के रिपोर्टर ने छापी थी। इस फर्जी खबर की बिना जांच किए उस दौर में दुनिया के कई अखबारों ने छापा, जिसने लोगों के बीच डिबेट को जन्म दे दिया। कुछ लोग इस विमान को भुतहा कहने लगे, तो कुछ ने कहा कि ये टाइम ट्रैवल के जरिए संभव है। टाइम ट्रैवल को मानने वालों ने ये तक कह दिया कि विमान समय के भंवर में फंस गया था। जबकि सच तो ये है कि ऐसा कोई विमान ही नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के जलालुद्दीन ने एशियाई दिव्यांग पैरा साइकिलिंग चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के दरभंगा जिले के सिंहवारा के रहने वाले जलालुद्दीन ने दिल्ली में हुए साल 2024 एशियाई दिव्यांग पैरा साइकिलिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। जलालुद्दीन के पदक जीत दिल्ली से दरभंगा पहुंचने पर लोगों ने दरभंगा रेलवे स्टेशन पहुंच जलालुद्दीन का लाउंज में मिथिला के परंपरा के अनुसार पाग चादर के साथ फूल माला देकर सम्मानित किया। जलालुद्दीन बचपन से ही एक पांव से दिव्यांग है और वह 2 कैटोगरी में आता है ऐसे में खुशी की बात यह है की जलालुद्दीन ने एक साथ दो-दो रजत पद जीते एक पदक उन्हें 750 मीटर की रेस में मिला जबकि दूसरा रजत पदक पंद्रह किलोमीटर के स्क्रेच रेस में प्राप्त किया।

रिसेप्शनिस्ट से पिच क्यूरेटर बनने तक का सफर...जसिंता कल्याण ने रचा इतिहास, जय शाह ने की तारीफ

नईदिल्ली, एजेंसी। जसिंता कल्याण भारत की पहली महिला पिच क्यूरेटर बनीं। वे एक समय पर रिसेप्शनिस्ट थीं, लेकिन अब उन्होंने एम चिन्नास्वाी स्टेडियम में क्यूरेटर का काम किया। सचिव जय शाह ने भी उनकी जमकर तारीफ की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिच क्यूरेटर का जिम्मा संभालने वाली जसिंता कल्याण की तारीफ की है। जसिंता कल्याण देश की पहली महिला पिच क्यूरेटर बनी हैं। उनको वुमेंस प्रीमियर लीग में पिच तैयार करने का जिम्मा मिला। देश में पहली बार किसी महिला ने पिच क्यूरेटर की भूमिका निभाई है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक समय पर जसिंता रिसेप्शनिस्ट थीं। सचिव जय शाह ने एक्स पोस्ट करते हुए लिखा, भारतीय क्रिकेट ने एक ऐतिहासिक प्रगति हासिल की। जसिंता कल्याण हमारे देश की पहली महिला क्रिकेट पिच क्यूरेटर बन गई हैं। बेंगलुरु में वुमेंस प्रीमियर लीग के शुरुआती फेज के लिए पिच की तैयारी की कमान संभालनी वाली जसिंता दृढ़ संकल्प और बाधाओं को तोड़ने की इच्छा का प्रतीक हैं। जसिंता की अभूतपूर्व उपलब्धि खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जुनून का प्रमाण है।

मुंबई के नंबर-10 और 11 के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के ऑलराउंडर खिलाड़ी तनुष कोटियन और तुषार देशपांडे ने मंगलवार, 27 फरवरी को बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में इतिहास रच दिया। नंबर-10 और 11 पर बल्लेबाजी करने वाले दोनों बल्लेबाज एक ही पारी में शतक लगाने वाली प्रथम श्रेणी क्रिकेट इतिहास दूसरी जोड़ी बने। रणजी ट्रॉफी में पहली बार ऐसा हुआ है। मुंबई की दूसरी पारी में 9वां विकेट पर 337 रन पर गिरा था। आखिरी विकेट के लिए कोटियन और देशपांडे ने बेहतरीन साझेदारी की।

इससे मुंबई को बड़ौदा को खेल से बाहर करने में मदद मिली। मुंबई को पहली पारी में 36 रन की बढ़त मिली थी। कोटियन ने सबसे पहले 115 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। देशपांडे ने 112 गेंदों का सामना किया और पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाए। दोनों बल्लेबाजों ने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक जड़ा।

एक ही पारी में नंबर 10 और नंबर 11 के बल्लेबाज का शतक

यह जोड़ी चंदू सरवटे और शुते बनर्जी के बाद एक ही पारी में नंबर 10 और नंबर 11 पर बल्लेबाजी करते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक जड़ने वाली दूसरी जोड़ी है। सरवटे और बनर्जी ने 1946 में ओवल में सरे बनाम इंडियंस मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। तीसरी बार किसी भारतीय जोड़ी ने आखिरी विकेट के लिए 200 से अधिक की साझेदारी की है।

देशपांडे तीसरे भारतीय बल्लेबाज

देशपांडे नंबर 11 पर बल्लेबाजी करते हुए प्रथम श्रेणी शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज भी बने। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नंबर-11 पर बतौर भारतीय क्रिकेटर सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड शुते बनर्जी (121) के नाम था देशपांडे अंततः 123 रन पर आउट हो गए और साझेदारी 232 रन पर समाप्त हुई, जो रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड से एक रन कम है।

भारत के लिए फर्स्ट क्लास और रणजी ट्रॉफी में 10वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी

सरवटे और बनर्जी के बीच 249 रन की साझेदारी हुई थी। यह भारत के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

डब्ल्यूएफआई ने

बजरंग, विनेश और साक्षी को ट्रायल के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर कुश्ती में भाग लेने वाली टीमों का चयन करने के लिए बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित प्रदर्शनकारी पहलवानों को ट्रायल के लिए आमंत्रित किया है।

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने लिखा, मैं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को सूचित करना चाहता हूं कि निम्नलिखित प्रतियोगिताओं के लिए टीम का चयन करने के लिए 10 और 11 मार्च को आईजी खेल परिसर के केडी जाधव कुश्ती इंडोर स्टेडियम में ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा। रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा, टूटे हुए दिल और बहुत दुखी मन के साथ, संजय सिंह उर्फ बृज भूषण शरण का भारतीय कुश्ती महासंघ में स्वागत है। अब, लखनऊ में फिर से शिविर आयोजित होगा जबकि नेशनल नंदिनी नगर में आयोजित किए जाएंगे। देश, विशेषकर हरियाणा की बहनों और बेटियों के शोषण की सभी हदें पार कर दी जाएंगी क्योंकि उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है।

वे सरकार और इस देश की जनता दोनों से बड़े हैं। बधाई हो, ये देश एक बार फिर महिलाओं की अस्मत के कत्ल का गवाह बना है। मैं उन सभी लोगों की तहे दिल से आभारी हूं जिन्होंने हमारा समर्थन किया। जय हिंद जय भारत।

एलेना नॉर्मन ने हॉकी इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया की लंबे समय से कार्यरत सीईओ एलेना नॉर्मन ने लगभग 13 वर्षों तक पद पर रहने के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। शीर्ष पद पर उनके कार्यकाल के दौरान, भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें महान ऊंचाइयों पर पहुंचीं, करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की और साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जहां भारतीय पुरुषों ने 41 साल के अंतराल के बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिलाएँ अभूतपूर्व चौथे स्थान पर रहीं।

उनके नेतृत्व में, फेडरेशन ने 2018 और 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप के लगातार दो संस्करणों की मेजबानी की, 2016 और 2021 में दो जूनियर पुरुष विश्व कप की मेजबानी की और हॉकी इंडिया लीग के पांच संस्करणों की भी सफलतापूर्वक मेजबानी की, जो एक फ्रेंचाइजी-आधारित लीग है जिसने लोकप्रियता हासिल की।

युवाओं को कुछ सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक हॉकी सितारों के साथ कंधे से कंधा मिलाने का मौका मिलने के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन में सुधार आया। हॉकी इंडिया ने उनके कार्यकाल में, एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी, 2015 और 2017 में एफआईएच वर्ल्ड लीग फाइनल, 2019 और 2024 में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के साथ-साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग घरेलू खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी कार्यक्रमों की मेजबानी की। एलेना महिला हॉकी को सुर्खियों में लाने में भी सबसे आगे थीं, उन्हें पुरुष टीम के समान सुविधाएं प्रदान की गईं, जिसमें हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देने वाले नकद पुरस्कार भी शामिल थे।

उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली महिला टीम की सफलता में विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी क्योंकि टीम ने पहली बार क्वालीफाई किया और 36 वर्षों के बाद ओलंपिक में भाग लिया।

LANKA T10

12 दिसंबर से लंका टी10 लीग का आगाज

नई दिल्ली, एजेंसी। लंका टी10 लीग का पहला सीजन, जिसे शुरू में 2023 में आयोजित करने की योजना थी, इस साल 12 से 22 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। लीग श्रीलंका के वार्षिक क्रिकेट कैलेंडर में सबसे नया जुड़ाव है, जिसमें श्रीलंका के शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ बेहतरीन अंतर्राष्ट्रीय सितारे भी शामिल होंगे।

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि यह टूर्नामेंट सफल होगा, जो श्रीलंका क्रिकेट को खेल में बदलते रुझानों के साथ अपडेट रहने की क्षमता में योगदान देगा। उन्होंने यह भी कहा, हमें उम्मीद है कि यह आयोजन न केवल क्रिकेट प्रेमियों को आकर्षित करेगा, बल्कि टूर्नामेंट को व्यापक रूप से लोकप्रिय बनाने के रूप में भी काम करेगा। टूर्नामेंट में छह पुरुष टीमें शामिल होंगी, जो क्षेत्रीय क्रिकेट केंद्रों को कवर करेंगी। प्रत्येक टीम में छह विदेशी खिलाड़ियों के साथ 16 खिलाड़ियों का एक दल शामिल होगा।

इस बीच, आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन ने कहा, यह हमारे लिए एक शानदार कदम है। हमें श्रीलंकाई क्रिकेट में एक और रोमांचक अध्याय का आयोजन करने का मौका मिला है। हमारी लीग दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक रोमांचक मंच पर टॉप अंतर्राष्ट्रीय सितारों और लोकल प्रतिभाओं को एकजुट करती है। हमारा लक्ष्य हर रोमांचक मैच के साथ इतिहास बनाना और खेल को ऊपर उठाना है।

अब टेस्ट क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करेंगे भारतीय क्रिकेटर्स!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रेड-बॉल क्रिकेट के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी भागीदारी को प्राथमिकता देने के लिए खिलाड़ियों के बढ़ते रुझान के बाद टेस्ट मैच फीस में बढ़ोतरी पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई इंडियन क्रिकेट प्लेयर्स के टेस्ट मैच की फीस में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रहा है। इशान किशन की घरेलू क्रिकेट से लंबे समय तक अनुपस्थिति के बारे में सवाल उठने के बाद बोर्ड ने संभवतः मैच फीस में बढ़ोतरी का फैसला किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टीम प्रबंधन के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया, और इसके बजाय उन्हें अगले महीने से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए बड़ौदा में वर्कआउट और अभ्यास करते देखा गया। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित करने की प्रक्रिया में है, जो एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा।

एक सूत्र ने कहा, उदाहरण के लिए, यदि कोई एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज़ खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना है कि अधिक खिलाड़ी रेड-बॉल क्रिकेट के लिए आएं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर नए फीस मॉडल को मंजूरी मिल जाती है, तो इसे इस आईपीएल सीजन के समापन के बाद लागू किया जाएगा। इससे पहले, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्र-अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में भाग न लेने पर चेतावनी दी थी, जिसमें कहा गया था कि घरेलू क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने के उनके कदम के गंभीर प्रभाव होंगे। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ग्रेड सी अनुबंध वाले इशान को रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थित रहने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर किए जाने की संभावना है।

मोहम्मद शमी के ऑपरेशन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने बंधाई हिम्मत, मुझे भरोसा है आप इससे उबर जाओगे

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी वर्ल्डकप 2023 के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। वर्ल्डकप के दौरान शमी एड़ी की चोट से जूझने के बावजूद खेले थे और भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका भी निभाई थी। वर्ल्ड कप 2023 में शमी ने सबसे ज्यादा विकेट चटकाए थे।

शमी ने एड़ी में एकिलीज टेंडन सर्जरी करवाई है। शमी ने सोशल मीडिया पर सर्जरी की तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही लिखा कि रिकवरी में कुछ समय लगेगा, लेकिन फिर से अपने पैरों पर खड़े होने का इंतजार है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शमी की अच्छी हेल्थ की कामना करते हुए उन्हें हिम्मत भी बंधाई है।

मोहम्मद शमी ने सर्जरी के बाद की चार तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, एड़ी में एकलीज टेंडन का सफल ऑपरेशन अभी करवाया है। रिकवरी में कुछ समय लगेगा, लेकिन मैं फिर से अपने पैरों पर खड़े होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

साजिद नाडियाडवाला की अगली फिल्म में नजर आएंगे रजनीकांत! निर्देशक ने तस्वीर साझा कर दिए संकेत

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इसके अलावा अब अभिनेता के एक और फिल्म से जुड़ने की खबर सामने आ रही है। रजनीकांत जल्द ही साजिद नाडियाडवाला के साथ किसी फिल्म में काम करते हुए नजर आएंगे। फिल्म निर्माता और निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने हाल ही में सुपरस्टार के साथ काम करने के संकेत दिए हैं।

रजनीकांत के साथ साजिद ने साझा की तस्वीर

साजिद नाडियाडवाला ने हाल ही में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रजनीकांत के साथ एक फिल्म साझा की है। साजिद ने तस्वीर साझा कर लिखा, महान रजनीकांत सर के साथ सहयोग करना एक सच्चा सम्मान है, जैसे-जैसे हम अपनी इस यात्रा पर आगे निकलने की तैयारी कर रहे हैं, उत्सुकता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा उनकी टीम ने अपने एक बयान में कहा, यह प्रतिष्ठित सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक बड़ा सहयोग है। इन दोनों दिग्गजों के एक साथ आने की संभावना और उत्सुकता जा रही है।

दोनों के सहयोग को लेकर फैंस उत्साहित

फैंस साजिद के पोस्ट पर कमेंट कर दोनों को उनके सहयोग और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई दे रहे हैं। साथ ही इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि निर्देशक की अगली फिल्म में रजनीकांत अभिनय करते हुए नजर आएंगे। इस खबर के सामने आने के बाद दर्शकों के बीच जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि, दोनों ने अभी तक किसी फिल्म या फिर अपने प्रोजक्ट को लेकर खुलकर बात नहीं की है।

जल्द धमाल मचाने आ रही के के मेनन की स्पेशल ऑप्स 2.0

नीरज पांडे द्वारा बनाई गई स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स सीरीज के के मेनन द्वारा अभिनीत रॉ एजेंट हिम्मत सिंह के जीवन की कहानी पर आधारित है। उन्हें एक कुख्यात आतंकवादी का पता लगाने का काम सौंपा गया है और वह आतंकवादी को पकड़ने वाली टीम के लीडर हैं। पहले भाग को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसकी सफलता के बाद अब स्पेशल ऑप्स 2.0 रिलीज के लिए तैयार है। वहीं अब सीरीज के निर्देशक नीरज नीरज पांडे ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में सीरीज के निर्माण के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने कहा कि स्पेशल ऑप्स 2.0 पोस्ट प्रोडक्शन में है। हम अगले तीन या चार महीनों में पोस्ट प्रोडक्शन पूरा करने जा रहे हैं। शूटिंग पूरी हो गई है। बुडापेस्ट से लेकर तुर्की तक जॉर्जिया और तीन अन्य स्थानों पर इसे पूरी दुनिया में शूट किया गया है। यह सीरीज पहले भाग से ज्यादा बड़ी होगी और उम्मीद है कि यह उससे बेहतर भी होगी।

क्या बनेंगे सीरीज का तीसरा भाग?

वहीं निर्देशक ने इस सीरीज के तीसरे भाग यानी स्पेशल ऑप्स 3.0 के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि यह सीरीज आएगी या नहीं, अभी इसके बारे में मुझे नहीं पता। पहले सीरीज का दूसरा भाग आने दीजिए। हमें दर्शकों से प्रतिक्रिया मिलेगी और अगर दर्शक हमें एक और भाग बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे तो हमें उसकी प्रतिक्रिया मिलेगी तो हम जरूर इसके तीसरे भाग पर भी काम करेंगे।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 28 फरवरी, 2024

संक्षिप्त समाचार

रेड्डी सरकार ने की चंद्रबाबू नायडू की जमानत रद करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से कौशल विकास निगम घोटाले में तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को दी गई जमानत रद करने का अनुरोध किया। साथ ही दावा किया कि उनके परिवार के सदस्यों ने जांच में बाधा डालने के लिए लोक सेवकों को धमकाने वाले बयान दिए हैं। राज्य सरकार ने जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ को बताया कि नायडू के परिवार के सदस्यों ने सार्वजनिक रूप से बयान दिया है कि वे सत्ता में आने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। शीर्ष अदालत मामले में नायडू को नियमित जमानत देने के आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के 20 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है। आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा कि हमने अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने के लिए एक आवेदन दायर किया है। नायडू के परिवार के सदस्यों द्वारा बयान दिए गए हैं। परिवार के सदस्य कह रहे हैं कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो हम इन सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में राज्य की प्रार्थना जमानत रद करने की है।

एसओपी के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट, कहा- अधिकारियों को देंगे निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह दिव्यांगों को हवाईअड्डों पर सुविधा के लिए केंद्र सरकार और भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) समेत अन्य हितधारकों मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहेगा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ उस दिव्यांग महिला की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसे हाल ही में कोलकाता हवाईअड्डे पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। महिला के वकील ने व्हीलचेयर वाले यात्रियों की मदद के लिए हवाईअड्डे पर महिला सुरक्षा गार्ड और सहायक कर्मचारियों की कमी का हवाला दिया। याचिकाकर्ता गुरुग्राम की निवासी है। वकील ने कहा, जब वह (याचिकाकर्ता) यात्रा कर रही थीं तो उन्होंने सहायता मांगी थी, लेकिन सहायता के लिए कोई नहीं आया। स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें कई बार खड़े होने के लिए कहा गया। संबंधित महिला 75 प्रतिशत दिव्यांग- वकील वकील ने यह भी कहा कि संबंधित महिला 75 प्रतिशत दिव्यांग है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम व्हीलचेयर मामले से निपटने के लिए एसओपी निर्धारित करने के लिए अधिकारियों से कहेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि इस मामले को कुछ समय बाद उठाया जा सकता है।

पति ने पत्नी की हत्या के बाद बीमारी से मौत का बनाया बहाना

नई दिल्ली, एजेंसी। मामूली कहासुनी होने पर गुस्साए पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद पत्नी के परिजनों और पुलिस को गुमराह भी किया। आरोपी ने पत्नी की मौत बीमारी से होने की बात कही। ऐसे में पुलिस ने मृतका का पोस्टमॉर्टम करवाया और 174 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला की मौत बीमारी से नहीं, बल्कि गला दबाने से हुई थी। गुरुग्राम सेक्टर-53 थाना पुलिस ने पति को थाने में पूछताछ के लिए बुलाया, जहां पर सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि पत्नी से कहासुनी होने के बाद उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस से बचने के लिए उसने बीमारी से पत्नी की मौत होने की बात कहीं थी। मूलरूप से नेपाल निवासी टेक सिंह ने गुरुग्राम पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह राजस्थान के जोधपुर में रहते हैं। उनकी चचेरी बहन शांति बोगटी की शादी नेपाल के ही रहने वाले तपराज जोशी से एक साल पहले हुई थी। तपराज गुरुग्राम में स्थित सरस्वती कुंज कॉलोनी के एक पीजी में बतौर कुक काम करता है। बोगटी भी साथ रहती थी। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी को उन्हें सूचना मिली कि शांति बोगटी की तबीयत काफी ज्यादा खराब है।

नए आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने तीन नए आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआइएल) पर सुनवाई करने से सोमवार को इन्कार कर दिया। तीनों नए कानून एक जुलाई से लागू होंगे।

गृह मंत्रालय ने तीनों कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी. पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने चेन्नई निवासी टी शिवज्ञानसंबंदन की जनहित याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

पीठ ने क्या कहा

पीठ ने कहा, नए आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाले आप कौन होते हैं? इस मामले में आपको याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है। ये तीनों कानून अंग्रेजों के जमाने में बनाए गए आपराधिक कानूनों की जगह लेंगे। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिल गई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 25 दिसंबर को इन पर मुहर लगा दी थी।

मनी लांड्रिंग मामले में तमिलनाडु सरकार को सप्रीम कोर्ट की नसीहत, ईडी की मदद करने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि राज्य मशीनरी को यह पता लगाने में ईडी की मदद करनी चाहिए कि क्या कोई अपराध हुआ है। इसमें कोई नुकसान नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी की जांच के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर करने को लेकर तमिलनाडु सरकार से सवाल किया था।

ईडी ने अवैध रेत खनन से संबंधित मनी लांड्रिंग मामले की जांच के क्रम में वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, तंजावुर व अरियालुर के जिलाधिकारियों को तलब किया था। इन नौकरशाहों के साथ-साथ राज्य सरकार ने हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसने ईडी की ओर से जारी समन पर रोक लगा दी थी।

जांच एजेंसी ने हाई कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। ईडी की याचिका सोमवार को जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आयी। कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य मशीनरी को मदद करने के लिए कहा जाता है, तो इससे क्या नुकसान हुआ है?

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार पूछा था कि राज्य सरकार हाई कोर्ट के समक्ष याचिका कैसे दायर कर सकती है? पीठ ने कहा, अगर जिलाधिकारी से कुछ पूछा जाता है तो राज्य सरकार को क्या परेशानी है? यदि व्यक्तिगत हैसियत से जिलाकिारी को परेशानी थी तो वह याचिका दायर कर सकते थे।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि राज्य सरकार के रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार आरोपितों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पीठ को बताया कि मामले में एक प्रतिवादी द्वारा एक हलफनामा दायर किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हलफनामे को रिकार्ड पर रखा जाए।

एल्विश यादव और सिंगर फाजिलपुरिया के सांपों वाले केस की सुनवाई पूरी, गुरुग्राम कोर्ट 5 मार्च को सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर एल्विश यादव और सिंगर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया के गाने के वीडियो में दुर्लभ प्रजाति के सांपों का इस्तेमाल करने के मामले में सुनवाई पूरी हो चुकी है। सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को गुरुग्राम एसीजीएम कोर्ट का फैसला आना था, लेकिन फैसला नहीं आया। अब इस मामले में फैसले के लिए पांच मार्च की तारीख तय कर दी गई है। बता दें कि, पीएफए के अधिकारी सौरभ गुप्ता ने बीते मंगलवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत में 13 बिंदुओं पर लिखित जवाब दाखिल किया था। जवाब में उनके द्वारा पुलिस की कार्रवाई

रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे। सौरभ गुप्ता ने अदालत को बताया कि पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल में वीडियो बनाने के लिए जिला प्रशासन से अनुमति ली गई थी, लेकिन गाना निर्माणाधीन मॉल में शूट किया गया था। वीडियो में इस्तेमाल करीब 20 सांपों में से छह से अधिक दुर्लभ प्रजाति के थे। सौरभ गुप्ता ने आरोप लगाया कि एल्विश और फाजिलपुरिया ने अवैध तरीके से सांपों का व्यावसायिक इस्तेमाल किया था। वहीं एनिमल वेल्फेयर बोर्ड और जिला प्रशासन से वीडियो शूट करने की अनुमति नहीं ली गई थी और वन विभाग को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। साल 2023 में गायक फाजिलपुरिया और एल्विश यादव का एक गाना लॉन्च हुआ था। इसमें दुर्लभ प्रजाति के सांपों का इस्तेमाल किया गया। इस पर आपत्ति जताते हुए पीएफए ने गुरुग्राम पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की तो संस्था ने एल्विश यादव, फाजिलपुरिया सहित अन्य पर मामला दर्ज करवाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया।

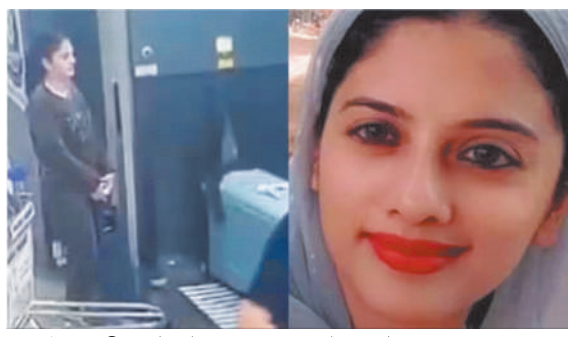

बैग ही तो चेक कराने को कहा था; कश्मीरी पत्रकार को लेकर आईजीआई एयरपोर्ट पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीर की एक पत्रकार के बैग का दिल्ली एयरपोर्ट पर जांच संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद दिल्ली कस्टम विभाग ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बैग की जांच नियमित रूप से की जाती है और ''विशेषाधिकार कानून से ऊपर नहीं हैं।'' पत्रकार याना मीर द्वारा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर आगमन पर अपने बैग की कस्टम अधिकारियों द्वारा जांच किए जाने एक वीडियो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए जाने के बाद यह प्रतिक्रिया आई। दिल्ली कस्टम (हवाई अड्डा एवं सामान्य) ने याना मीर के पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर लिखा, ''अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बैग की जांच नियमित रूप से की जाती है। अन्य यात्री बिना किसी दिक्कत के अपना सामान स्कैनर के अंदर रख देते हैं, याना मीर को बेवजह बुरा लगा। कर्मचारी पूरे समय विनम्र रहे।

बारिश से दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में मौसम का मिजाज बदल रहा है। मैदानी इलाकों में सुबह और देर रात थोड़ी ठंड महसूस होती है। हालांकि, दोपहर में धूप की वजह से लोगों को ठंड से राहत मिल रही है।

इसी बीच मंगलवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई, जिसकी वजह से तापमान में गिरावट दर्ज किया गया है। वहीं, कुछ जगहों पर अभी भी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हो रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो घंटों में (करीब 9 बजे) दिल्ली के अलीपुर, बुराड़ी, रोहिणी, बादली, मॉडल टाउन सहित कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आज भी पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि आज अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 एवं 13 डिग्री सेल्सियस रह सकता है

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार बंगाल समेत कई राज्यों में आज बारिश की उम्मीद है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि एक और दो मार्च को दिल्ली में हल्की वर्षा होगी। इसके चलते अधिकतम तापमान में भी दो से तीन डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। वहीं, मार्च के दूसरे सप्ताह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने लगेगी।

हरियाणा में अभी 29 फरवरी तक मौसम खुश्क रहेगा। इसके बाद एक मार्च को प्रदेश के कई जिलों में यलो अलर्ट जारी कर वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। आज कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, सिरसा, फतेहाबाद हिसार जिले में गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। सोमवार को हिसार में अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहा। बात करें बिहार की तो राजधानी पटना समेत प्रदेश के अधिसंख्य भागों में मंगलवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। वहीं दक्षिण-मध्य, दक्षिण-मध्य भागों के एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना है। रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद एवं गया जिले के एक या दो जगहों पर मेघ गर्जन, वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक आज पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा, निकटवर्ती मध्य हिस्से यानी रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो व गुमला के साथ साथ दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कहीं कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है।

करोड़ों की नौकरी छोड़ अब यूएई के हिंदू मंदिर में सेवा करेंगे विशाल पटेल

लंदन, एजेंसी।
लंदन से यूएई शिफ्ट हुए भारतीय मूल के इन्वेस्टमेंट बैंकर विशाल पटेल ने मंदिर में सेवा करने के लिए करोड़ों की नौकरी को ठोकर मार दी। अब वह यूएई के अबूधाबी में नवनिर्मित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था मंदिर में सेवा करेंगे। बता दें कि वह पहले लंदन के मंदिर में भी सेवा दे चुके हैं। उन्होंने कई सालों तक वॉलंटियर के रूप में यहां मंदिर को सेवाएं दीं। इसके बाद लंबे समय तक वह इन्वेस्टमेंट बैंकिंग सेक्टर से जुड़े रहे। अब फिर से उन्होंने मंदिर की सेवा करने का फैसला कर लिया है।

बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबूधाबी में मंदिर का उद्घाटन किया था। यह मंदिर 27 एकड़ जमीन में बना हुआ है। नागर शैली में बना यह मंदिर बेहद भव्य है। यूके से यूएई शिफ्ट होने के बाद से ही विशाल पटेल इस मंदिर से किसी ना किसी रूप में जुड़े थे। वहीं 14 फरवरी को उद्घाटन कार्यक्रम में भी वह मेहमानों के स्वागत का काम संभाल रहे थे। अब वह मंदिर में चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर के तौर पर काम करेंगे और मंदिर की कई जिम्मेदारियां संभालेंगे।

बता दें कि विशाल पटेल का परिवार गुजरात से ताल्लुक रखता है। हालांकि उनका जन्म लंदन में ही हुआ था। वह 2016 में यूएई गए और फिर दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशल सेंटर के साथ काम करना शुरू किया। पटेल ने खलीज टाइम्स के साथ बातचीत में कहा, 2016 से ही हमारा परिवार यूएई में रहने लगा। पहले मेरा करियर ही मेरी प्रथामिकता थी। हालांकि यूएई में बने इस मंदिर ने मेरे ऊपर बहुत असर डाला और एक अलग पहचान दिलाई।

अंटार्कटिक क्षेत्र में एवियन इन्फ्लुएंजा मामलों की पुष्टि, जिसको वैज्ञानिक मान रहे हैं खतरनाक

ब्यूनस आयर्स एजेंसी।
वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका पर अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस की उपस्थिति की पुष्टि की है, और पारिस्थितिक आपदा की आशंका जताई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि पहली बार अंटार्कटिका की मुख्य भूमि पर घातक प्रकार के बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है, जो दक्षिणी क्षेत्र की विशाल पेंगुइन कॉलोनियों के लिए संभावित खतरा है।

अर्जेंटीना के हायर काउंसिल फॉर साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन (सीएसआईसी) ने रविवार को कहा, यह खोज पहली बार दर्शाती है कि अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस दूरी और प्राकृतिक बाधाओं के बावजूद अंटार्कटिका तक पहुंच गया है जो इसे अन्य महाद्वीपों से अलग करते हैं। सीएसआईसी ने कहा कि 24 फरवरी को मृत स्कुआ समुद्री पक्षियों के नमूनों में वायरस की मौजूदगी की पुष्टि की गई थी, जो अर्जेंटीना के वैज्ञानिकों को अंटार्कटिक बेस प्रिमावेरा के पास पाए गए थे। जेंटू पेंगुइन सहित आसपास के द्वीपों पर मामलों के बाद अंटार्कटिक प्रायद्वीप पर पुष्टि किए गए मामले ने क्षेत्र में ॥5ह1 एवियन फ्लू के खतरे को उजागर किया है, जिसने हाल के महीनों में दुनिया भर में पक्षियों की आबादी को नष्ट कर दिया है। सीएसआईसी ने एक बयान में कहा, विश्लेषण से निर्णायक रूप से पता चला है कि पक्षी एवियन इन्फ्लूएंजा के एच5 उपप्रकार से संक्रमित थे और मृत पक्षियों में से कम से कम एक में अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस था। अंटार्कटिक महाद्वीप और आस-पास के द्वीपों पर सैकड़ों-हजारों पेंगुइन कसकर भरी कॉलोनियों में इकट्ठा होते हैं, जिससे घातक वायरस आसानी से फैल सकता है।

ब्रिटिश सरकार के नए फैसले से भारतीयों पर गिरी गाज, शादियों पर लग गया ब्रेक

लंदन एजेंसी।
ब्रिटिश सरकार ने अप्रवासियों की संख्या कम करने के लिए सख्त कदम उठाने का ऐलान किया है। इसके तहत पारिवारिक वीजा के लिए न्यूनतम आय सीमा 19.5 लाख रुपए से बढ़ाकर करीब 40.6 लाख रुपए कर दी जाएगी। इस फैसले का सीधा असर 20 लाख ब्रिटिश भारतीयों पर पड़ रहा है जिससे हजारों भारतीयों की शादी की योजना पर ब्रेक लग गया है। कई लोगों ने कहा कि उनके परिवार के सदस्य अब ब्रिटेन में एक साथ नहीं रह पाएंगे। सबसे बड़ा प्रभाव नर्सों जैसे देखभाल कर्मियों पर पड़ता है, जो अकेले रह रहे हैं। मैनचेस्टर में ब्रिटिश-भारतीय शोधकर्ता हरतोष सिन्हा ने कहा कि वह दिल्ली में रहने वाली मंजूषा से शादी करने की तैयारी कर रहे थे। उनकी आय मात्र 26 लाख है। ऐसे में मंजूषा से शादी का सपना टूट गया है।

ब्रिटिश नागरिक जैसिंडा मैथ्यूज अपने भारतीय पति के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। वह अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए ब्रिटेन जाने की सोच रही थी लेकिन 38 लाख रुपए में लैब असिस्टेंट की नौकरी पाना असंभव है। ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन जो बड़ी संख्या में भारतीय मूल के चिकित्सा पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करता है, ने सुनक सरकार को पत्र लिखा है जिसमें कहा गया है- विदेशी देखभाल कर्मियों को अपने आश्रितों को ब्रिटेन लाने से रोकने की योजना हमारे सदस्यों के लिए बेहद चिंताजनक और परेशान करने वाली है। ब्रिटेन में लगभग आधे कार्य वीज़ा स्वास्थ्य और देखभाल कर्मियों को मिलते हैं। कम वेतन के कारण उनके पास अपने परिवार को साथ लाने का विकल्प नहीं होगा। ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में माइग्रेशन ऑब्ज़र्वेटरी के निदेशक डॉ मेडेलीन सुम्पशन ने कहा- अलग-अलग देशों में रहने वाले परिवार के सदस्यों से लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। चिंता की बात यह भी है कि पिछले कुछ सालों में लोगों की आय और मजदूरी में बढ़ोतरी नहीं हुई है। इन परिस्थितियों में, आय सीमा की आवश्यकता को दोगुना से अधिक करने का कोई मतलब नहीं है। इसका सबसे अधिक प्रभाव कम आय वाले ब्रिटिश नागरिकों और विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं पर पड़ेगा, जिन्हें कम वेतन मिलता है। विपक्षी लेबर पार्टी ने भी इस मुद्दे को उठाया और सरकार से इस पर पुनर्विचार करने को कहा। ब्रिटिश निवासी पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत अपने जीवनसाथी के साथ आने के लिए आवेदन कर सकते हैं। यही कारण है कि हत्रह्न विवाह योजनाओं के साथ-साथ इसके लिए भी आवेदन करते हैं।

फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति ने शतयेह सरकार का इस्तीफा किया स्वीकार

रामल्ला, एजेंसी।
फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने प्रधान मंत्री मोहम्मद शतयेह की सरकार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफ़ा की रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास ने सोमवार को शतयेह की सरकार को नई सरकार बनने तक अस्थायी रूप से अपने कर्तव्यों को जारी रखने को कहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में शतयेह ने अब्बास को अपनी सरकार का इस्तीफा सौंप दिया। रामल्लाह में आयोजित साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान शतयेह ने कहा, इस्तीफा देने का निर्णय गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और यरूशलेम में जारी गतिविधियों के आलोक में लिया गया है। अप्रैल 2019 में गठित, शतयेह की सरकार को फिलिस्तीनी सुलह प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का काम सौंपा गया था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।